पाक्षिक

SINCE 1998

टेक्सटाइल वर्ल्ड

Postal Registration No : BHILWARA/208/2021-2023 Posting on 09-02-2021 at Rail Mail Service, Bhilwara

वर्ष-23 अंक-16 भीलवाड़ा/ 7 फरवरी, 2021 कुल पृष्ठ- 08 मूल्य : 15 रुपए

BUDGET 2021

टेक्सटाइल उद्योग द्वारा बजट का स्वागत

नायलॉन चिप्स, नायलॉन फाइबर पर आयात शुल्क घटाने से खुशी

कॉटन पर ड्यूटी से नाराजगी

नई दिल्ली/ राजेश शर्मा

विगत दिनों वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण द्वारा 2021-22 के बजट प्रस्तावों का देश के टेक्सटाइल और क्लोदिंग उद्योग द्वारा स्वागत किया जा रहा है तथा केप्रोलेक्टम, नायलॉन चिप्स, नायलॉन फाइबर और यार्न पर 5 प्रतिशत का आयात शुल्क लगाने को सही दिशा में उठाया गया कदम बताया जा रहा है, लेकिन कॉटन के आयात पर 10 प्रतिशत के आयात शुल्क पर नाराजगी जाहिर की जा रही है।

आगामी 3 वर्षों के दौरान मेगा इन्वेस्टमेंट टेक्सटाइल पार्क्स के तहत 7 टेक्सटाइल पार्क स्थापित करने के प्रस्ताव का टेक्सटाइल व क्लोदिंग उद्योग के सभी संगठनों द्वारा स्वागत किया जा रहा है। कॉन्फेडेरशन ऑफ इंडियन टेक्सटाइल इंडस्ट्री यानि सिटी के चेयरमैन ने बजट में स्वास्थ्य के लिए किए गए अधिक आवंटन और सरकारी खर्च में वृद्धि का स्वागत करते हुए कहा कि इससे देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

उन्होंने सरकार द्वारा 3 वर्षों के दौरान मेगा इन्वेस्टमेंट टेक्सटाइल पार्क्स स्कीम के तहत देश में 7 पार्क स्थापित करने का भी स्वागत किया। इससे 1,000 एकड़ भूमि में फैले इन टेक्सटाइल पार्कों में वर्ल्ड क्लास आधारभूत ढांचा होने के साथ ही अत्याधुनिक सुविधाएं होंगी, जो भारत को विश्व में टेक्सटाइल निर्यात में चैम्पियन बनने में सहायक होगी। मैनमेड फाइबर और टेक्निकल टेक्सटाइल के लिए प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेन्टिव स्कीम के तहत 10,68 3 करोड़ रुपए का प्रावधान करने का स्वागत करते हुए कहा कि इससे भारतीय उत्पाद विश्व बाजार में प्रतिस्पर्धक होने के साथ ही विशाल निवेश आकर्षित होगा और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।उन्होंने कहा कि यह एक अच्छी बात है कि सरकार ने इस तथ्य को पहचाना है कि भारतीय टेक्सटाइल उद्योग का देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान है और रोजगार के व्यापक अवसर पैदा करता है।

सरकार द्वारा केप्रोलेक्टम, नायलॉन चिप्स और नायलॉन फाइबर, यार्न पर आयात शुल्क घटा कर 5 प्रतिशत कर दिया गया है। इससे नायलोन श्रंखला पोलिएस्टर और मैनमेड फाइबर के बराबर हो गई है।

निराशा...सिटी के चेयरमैन ने सरकार द्वारा कॉटन के आयात पर 10 प्रतिशत शुल्क को बीमार टेक्सटाइल उद्योग के लिए प्रहार बताते हुए कहा है कि इससे उत्पादकों को कोई लाभ नहीं होगा। बजट में सरकार ने कॉटन के आयात पर 5 प्रतिशत बेसिक कस्टम ड्यूटी और 5 प्रतिशत एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर सेस लगाया है, जबकि कॉटन वेस्ट पर 10 प्रतिशत बेसिक कस्टम ड्यूटी लगाई है। सिटी चेयरमैन श्री राजकुमार का कहना है कि देश में कॉटन का आयात लगभग 12-14 लाख गांठ प्रति वर्ष होता है जो कुल उत्पादन का मामूली भाग है। यही नहीं जिस कॉटन का आयात किया जाता है, उसका उत्पादन देश में नहीं होता है। उनका कहना है कि इस आयातित कॉटन का प्रयोग विदेशों का निर्यात किए जाने वाले फैब्रिक या गारमेंट के लिए किया जाता है। इसके अतिरिक्त उनकी कुछ मांगो जैसे वीएसएफ के आयात पर एंटी डम्पिंग को समाप्त करना, एमएमएफ के लिए जीएसटी की दरों को तर्कसंगत बनाना आदि पर बजट में विचार नहीं किया गया है।

अधिक आवंटन का स्वागत

आगामी वर्ष के आम बजट में वित्त मंत्री सीतारमण द्वारा टेक्सटाइल एवं क्लोदिंग सेक्टर के लिए अधिक राशि के आबंटन का नॉर्थ इंडिया टेक्सटाइल मिल्स एसोसिएशन (निटमा) ने स्वागत किया है। निटमा के प्रेसीडेंट श्री संजय गर्ग का कहना है कि सरकार ने आधारभूत ढांचे के विकास आदि पर जोर देते हुए अधिक राशि का आबंटन किया है जो स्वागत योग्य है। सरकार ने आगामी वित्त वर्ष के बजट के लिए कुल 3,631.63 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है जबकि चालू वर्ष के लिए यह राशि 3,000 करोड़ रुपए है। **शेष पेज 4 पर**

आयात पर नहीं होगा कोई असर -श्री गनात्रा

नई दिल्ली/ राजेश शर्मा

सरकार द्वारा कॉटन व कॉटन वेस्ट के आयात पर 10 प्रतिशत के आयात शुल्क लगाए से इसके आयात पर कोई असर नहीं होगा तथा किसानों को भी कोई लाभ नहीं मिलेगा। यह कहना है कि कॉटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सीएआई) के प्रेजीडेंट श्री अतुल गनात्रा का। उनका कहना है कि आयात शुल्क लगाने के बाद भी कॉटन का आयात कम नहीं होगा, क्योंकि भारतीय मिलें जिस प्रकार की कॉटन का आयात करती हैं, उसकी देश में कमी है। अक्टूबर से आरंभ हुए कॉटन वर्ष 2020-21 के दौरान मिलें अब तक लगभग 6 लाख गांठ कॉटन का आयात कर चुकी है तथा आगामी महीनों में लगभग 8 लाख गांठ का आयात और होने का अनुमान है।

भारत एक्सट्रा लांग स्टेपल कॉटन का आयात इजिप्ट और अमेरिका से करता है। उल्लेखनीय है कि इस वर्ष देश में कॉटन का उत्पादन लगभग 360 लाख गांठ होने का अनुमान है। विश्व में भारत सबसे बड़ा कॉटन उत्पादक देश है और इसका शुद्ध निर्यातक है। देश से कॉटन का निर्यात चीन, वियतनाम, बांग्लादेश, इंडोनेशिया आदि देशों को प्रमुखता से किया जाता है।

केन्द्रीय बजट एवं कपड़ा उद्योग : एक नजर में

श्री आर.के. जैन

भीलवाड़ा/ माननीय केन्द्रीय वित्तमंत्री ने बजट में भारतीय टेक्सटाइल उद्योग को विश्वस्तरीय बनाने, निवेश आकर्षित करने एवं निर्यात बढ़ाने के लिए देश में 7 मेगा टेक्सटाइल पार्क की घोषणा की है, यह एक स्वागत योग्य कदम है। इससे हमारे टेक्सटाइल उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार होकर निर्यात को भी बढ़ावा मिलेगा। हम आशा करते हैं कि राजस्थान को इस तरह के 2 मेगा टेक्सटाइल पार्क मिलेंगे। यह जानकारी मेवाड़ चेम्बर के महासचिव श्री आर.के. जैन ने बताया कि जीएसटी में जो इन्वर्टेड ड्यूटी संबंधी विसंगतियां हैं, उनको वित्तमंत्री महोदया ने जीएसटी कोन्सिल के मार्फत दूर करने का आश्वासन दिया है, इससे विसंगतियां दूर होकर जीएसटी प्रणाली में और सुधार होने की आशा है। बजट में की गई घोषणाओं से देश में टेक्निकल टेक्सटाइल को भी बढ़ावा मिलेगा।

बजट में आयातित कॉटन फाइबर/ रुई पर 10 प्रतिशत कस्टम ड्यूटी लगाने की घोषणा की गई है, जो कि सूती टेक्सटाइल उद्योग के लिए निराशाजनक है। वर्तमान में स्पिनिंग मिलें अपनी खपत का 8 से 10 प्रतिशत कॉटन फाइबर आयात करती है। आयातित माल पर कस्टम ड्यूटी बढ़ने से स्थानीय रुई के भी भाव बढ़ेंगें और कुल मिलाकर सूती धागा एवं कपड़ा मंहगा होने से आम जनता पर विपरीत असर पड़ेगा। बजट में टफ योजना के लिए मात्र 700 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जो कि बहुत कम है। अकेले भीलवाड़ा के टेक्सटाइल उद्योगों का पिछले 2 वर्ष से 300 करोड़ से अधिक का अनुदान बकाया चल रहा है। टफ अनुदान बेकलॉग क्लीयर करने के लिए कम से कम 2500 करोड़ का प्रावधान किया जाना चाहिए।

ग्रे व यार्न के भाव में उतार चढ़ाव से बाजार दिशाहीन

अहमदाबाद/ सांवलाराम चौधरी

बीते काफी समय से कपड़ा बाजार में तेजी का अच्छा माहौल बना हुआ था, मगर बजट से पूर्व ग्रे व यार्न बाजार में भावो में काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है, जिससे व्यापारी फूंक-फूंक कर कदम रख रहे हैं। आगे गर्मी के सीजन भी आ रहा है, जिससे व्यापारी दिशाहीन नजर आ रहे हैं। क्या कपड़ा चलेगा, वह क्या पिटेगा, यह बाजार व समय पर ही पता चलेगा। बजट में यहां पर ड्यूटी लगने से यार्न के भाव 15 से 20 रू किलो की शुरुआती तेजी बताई जा रही है। आगे बाजार में ग्रे की मांग के अनुरूप ही चलने की संभावना है। बाजार के जानकारों के मुताबिक आगे भी अच्छी ग्राहकी चलने की पूरी संभावना है। भारत में अब कोरोना का प्रकोप कम होता नजर आ रहा है आने वाले समय में शायद नहीं के बराबर होगा। बाजार में ग्राहकी का अभाव है, पैसों की तंगी लगातार बनी हुई है। आगे गर्मी के सीजन आने से कॉटन व पीसी के मालों की पूछ परछ जोरों पर है। रेयॉन कपड़े में अभी मांग बरकरार है। ग्रे के भाव बढ़ने से सब वैरायटी में भाव बढ़े हुए हैं। तैयार माल में थोड़ी ग्राहकी नरम है, मगर आगे अच्छे ग्राहकी चलने की पूरी संभावना है।

कोरोना की वेक्सीन आम नागरिक के लिए जल्द ही उपलब्ध होने वाली हैं, जिससे वेक्सीनेशन का ग्राफ जल्द ही बढ़ने की संभावना है। तक अब तक भारत में 40 से 50 लाख लोगों को कोरोना वेक्सीन का डोज दिया गया है और जल्द ही एक करोड़ का आंकड़ा पार कर जाएगा, जिससे माहौल और भी सुधरेगा। उधर किसान आंदोलन के कारण पंजाब, हरियाणा, यूपी, दिल्ली का व्यापार बहुत ज्यादा प्रभावित हो रहा है। किसान आंदोलन पूरे भारत में चालू होने के समाचार हैं, जिससे और ज्यादा माहौल बिगड़ सकता है।

यहां की प्रोसेस हाउसों में भी काम का ज्यादा भरावन नहीं है। प्रिंट के माल बनने की काफी ऑर्डर आ रहे हैं। कॉटन प्रिंट की डिमांड अच्छी बताई जा रही है। रेडीमेड गारमेंट बाजार में भी ग्राहकी का अभाव है। कच्चे सूट में व कुर्ती में ग्राहकी मध्यम है।

रेयॉन प्रिण्ट 58'' सबसे ज्यादा चलने वाला बुरी तरह से पिट गया है। आने वाले समय में हिसाब किताब का मार्च महिना भी आ रहा है, जिससे व्यापारी संभलकर काम कर रहे हैं। आगे भी ग्रे व यार्न में तेजी रहने की पूरी संभावना है।

व्यापार संघ द्वारा स्नेह मिलन का आयोजन

कोटा/ हितेश जैन

कपड़ा व्यापार संघ अंता का जिला स्तरीय स्नेहमिलन समारोह एवं अतिथि सम्मान सम्मारोह सम्पन्न हो गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नगर पालिका अध्यक्ष श्री मुस्तफा खान व पालिका उपाध्यक्ष श्री चन्द्र प्रकाश मीणा तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में व्यापार महासंघ के अध्यक्ष श्री रामेश्वर खण्डेलवाल, जिला कपड़ा व्यापार संघ अध्यक्ष श्री मनोहर भाई, क्लॉथ मर्चेण्ट एसोसिएशन कोटा के महासचिव श्री सुनील भाई गुजराती समेत अन्य व्यापारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सभी अतिथियों का माल्यार्पण कर व स्मृति चिन्ह भेंट कर कपड़ा व्यापार संघ की ओर से स्वागत सत्कार किया गया। इसके साथ ही इसी कार्यक्रम में कपड़ा व्यापार संघ के अध्यक्ष पद हेतु मतदान सम्पन्न हुआ, जिसमें दो उम्मीदवार खड़े हुए। कुल 62 मतदाताओं से 46 मतदाताओं ने अपने मत का प्रयोग किया। निरंतर 14 वर्षों से संगठन के अध्यक्ष पद प्रतिनिधित्व करते आ रहे श्री कुलदीप नामा को चुनाव अधिकारी सर्व श्री प्रदीप जैन, हकिम भाई व रमेश चंद्र अरोड़ा ने विजयी घोषित किया।

इसी दौरान कपड़ा व्यापार संघ अंता के संगठन के 25 वर्ष पूरे होने पर केक काटकर सिल्वर जुबली समारोह भी मनाया गया। कार्यक्रम में सदस्यता प्रमाणपत्र का विमोचन भी किया गया व 10 लक्की ड्रॉ भी निकाले गए, श्री रमेश चन्द्र अरोड़ा को श्रेष्ठी सम्मान दिया गया। इस अवसर पर पूर्व जिलाध्यक्ष श्री चन्द्र प्रकाश विजय, जिला महासचिव श्री पीयूष विजय एवं प्रकाश व्यापार समिति बारां के अध्यक्ष श्री प्रदीप जैन तथा विशेष आमंत्रित अतिथियों में मांगरोल कपड़ा अध्यक्ष श्री मदनमोहन गुप्ता सीसवाली अध्यक्ष श्री प्रदीप नामा, जिला कपड़ा संरक्षक श्री रामचंद्र झाम व सर्व श्री हकिम भाई, बालमुकुंद राठौर, अंता कपड़ा व्यापार संरक्षक रमेश चंद्र अरोड़ा सराफा व्यापार संघ के प्रतिनिधि ओम सोनी, किराना व्यापार संघ के अध्यक्ष मोहित कालरा, फुटवीयर व्यापार संघ के अध्यक्ष राजू खत्री, मोबाइल एसोसिएशन के अध्यक्ष मनोज बाटला, मशीनरी एसोसिएशन के प्रतिनिधि निर्मल नामा, होटल व रेस्टोरेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष ओमप्रकाश खण्डेलवाल, जनरल एसोसिएशन के अध्यक्ष लीलाधर व पंजाबी रेडिमेड गारमेण्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष गिरीश मालव भी उपस्थित थे।

बाजार में ग्राहकी सामान्य

ब्यावर/ अनिल डोसी... बाजार में ग्राहकी सामान्य है। आग होली बाद ग्राहकी निकलने की आशा है। अभी आवश्यकतानुसार ही सामान्य कामकाज हो रहा है। सूरत, पाली, अहमदाबाद आदि मुख्य मण्डियों से माल मांग के मुताबिक ही आ रहा है। सिंथेटिक ग्रे मार्केट में नरमी का रुख बना हुआ है। पेमेण्ट की आवक में भी सुधार हुआ है। वुली प्रिण्ट, प्लेन व टेरी रूबिया में ग्राहकी निकली है।

खुले बाजार में रुई का अच्छा मोल
स्पिनिंग मिलें और निर्यातक रहे लेवाल

मुंबई/ रमाशंकर पाण्डेय

बाजार में रुई की मांग बढ़ रही है, तो कपास की आवक में गिरावट का दौर शुरू हो गया है। 2020-21 सीजन की शुरूआत 125 लाख गांठ खुलता स्टॉक से हुई थी। जून 20 बाद जैसे ही अनलॉक आगे बढ़ा,उसके बाद टेक्सटाइल उद्योग पूरी क्षमता के साथ चलने लगे। इस वर्ष रुई की स्थानीय मांग पुनः लॉकडाउन के पूर्व स्तर पर पहुंचने की संभावना व्यक्त की गई है। अनुमान है कि 2020-21 में रुई की खपत पिछले वर्ष की तुलना में 13 फीसदी बढ़ सकता है। न केवल देश में बल्कि चीन में भी रुई की खपत बढ़ने का अनुमान लगाया गया है। कपास उत्पादन का आधे से अधिक स्टॉक बाजार में आ चुका है और जो अभी आना शेष है, उस पर किसानों की मजबूत पकड़ है।

एक ओर देश में रुई की मांग लगातार बनी हुई है, तो दूसरी ओर निर्यात में भी कारोबार अच्छे होने के संकेत मिल रहे हैं। इस वर्ष 55 से 60 लाख गांठ निर्यात हो सकता है। मिली जानकारी के अनुसार इस दौरान भारत से रूई का आयात करने में बांग्लादेश एक बड़े आयातक के रूप में उभरा है। अब तक इसे 14 लाख गांठ रुई का निर्यात किया जा चुका है। सीसीआई ने निर्यात के लिए जो टेंडर निकाला है, उसमें चीन एवं वियतनाम की अच्छी खासी रुचि दिखाई दी है। चीन रुई और कॉटन यार्न का बफर स्टॉक करने में जुट गया है। इसी कड़ी में चीन भारत से 25 से 30 लाख गांठ रुई खरीद सकता है, तो वियतनाम 4से 5 लाख गांठ और बांग्लादेश 30 से 35 लाख गांठ खरीद सकता है।

मार्च 20 के बाद विश्वव्यापी लॉकडाउन के कारण बंद हुए कामकाज का असर कॉटन टेक्सटाइल क्षेत्र पर देखा गया है। मांग घटने से देश में रुई की मांग 20 प्रतिशत घटी थी, इसके बावजूद भारत 50 लाख गांठ रुई का निर्यात करने में सफल रहा है। मंदी से भाव घटे और सीसीआई को पिछली सीजन में एमएसपी के भाव पर 115 लाख गांठ रुई की खरीदी करनी पड़ी थी। आज ये स्थितियां बिल्कुल बदल चुकी है। खुले बाजार में रुई का भाव अच्छा मिल रहा है, स्पिनिंग मिलें और निर्यातकों की बाजार में लेवाली बनी हुई है, इससे सीसीआई को कम कपास मिल रहा है। महाराष्ट्र की अधिकांश मंडियों में दिसम्बर के अंतिम सप्ताह में रुई के भाव प्रति क्विंटल 5400 से 5500 रू थे।

वैश्विक रुई उत्पादन में 130 से 135 लाख हेक्टेयर्स क्षेत्रफल के साथ भारत का योगदान 30 प्रतिशत बताया जाता है, लेकिन उत्पादकता के मामले में भारत पीछे है। यहां प्रति हेक्टेयर उत्पादकता 450 किलो की है, जबकि ब्राजील में यह 1200 किलो है। भारतीय किसान संगठनों को ब्राजील के किसान संगठनों के साथ मिलकर उत्पादकता बढ़ाने का प्रयास करना चाहिए, ऐसा कहना है कॉटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया के प्रमुख श्री अतुल गणात्रा का। उन्होंने कॉटन ब्राजील आउटलुक तथा कन्फेडरेशन ऑफ इंडियन टेक्सटाइल इंडस्ट्री द्वारा हाल ही में उद्घोषित वैश्विक रुई संबंधी वेबिनार में भारतीय रुई के परिदृश्य पर बोलते हुए यह बात कही। इसकी उपज में 20 से 30 प्रतिशत सुधार की संभावना है।

कॉटन यार्न के भाव घटे, लेकिन पोलिएस्टर यार्न में भारी वृद्धि

मुंबई/ कॉटन यार्न पर सटोरियों की हेकड़ी ढ़ीली पड़ने के बाद संग्रह स्टॉक बाहर निकलने से कॉटन यार्न के भाव में तीन से चार प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। इस यार्न के भाव इतने अधिक बढ़े थे कि लूम मालिकों को कपड़ों का उत्पादन करना कठिन हो गया था। ऊंचे भाव पर ग्रे कपड़ों के लेवाल नहीं रहने से लूमों पर उत्पादन घटा है। पिछले महिने से ही वीवर्स कॉटन यार्न की इस भाव वृद्धि के खिलाफ लामबंद होने लगे थे। अभी आंशिक सफलता मिली है, क्योंकि दीपावली के बाद से ही कॉटन यार्न के भाव में 35 से 40 प्रतिशत की वृद्धि होने के बाद यदि भाव में कुछ गिरावट आ भी गई है, तो इससे वीवर्स को बहुत ज्यादा राहत नहीं मिल सकती है। कॉटन यार्न के भाव में प्रति किलो 20 रू घटने से ग्रे कपड़ों का उत्पादन खर्च तीन रू तक नीचे आया है। इसके साथ ही कॉटन ग्रे कपड़ों के भाव में पांच रू की गिरावट आई है। दूसरी ओर भिवंडी में अब अधिकांश लूमों पर उत्पादन शुरू हो गया है। आगे की सीजन के लिए खुला मैदान है। बाजार में न तो फिनिश कपड़ों का अधिक स्टॉक है और न ही लूमों पर बहुत अधिक उत्पादन हो रहा है कि किसी प्रकार का दबाव बन सके। जितना उत्पादन होगा, वे सभी बिकने की पूरी संभावना के बीच यदि कॉटन यार्न के भाव में फिर किसी प्रकार की तेजी नहीं आती है, तो यार्न का उठाव बढ़ने के साथ कपड़ों का उत्पादन भी बढ़ेगा। इचलकरंजी में जॉब की दरें घट गई हैं। कॉटन यार्न धीमा पड़ा है, लेकिन क्रूड तेल की तेजी से पेट्रो उत्पादों में सरगर्मी है। ऐसी रिपोर्ट मिली है कि रिलायंस द्वारा पोलिएस्टर यार्न के भाव में 30 से 40 रू की वृद्धि करने से इसका असर पोलिएस्टर कपड़ों पर पड़ रहा है। इस तरह सूती कपड़ों के साथ अब पोलिएस्टर आधारित कपड़ों के भाव में भी 5 से 12 रू तक की तेजी आ गई है जो अभी की मौजूदा स्थिति में बाजार के लिए अनुकूल नहीं कहीं जा सकती। कॉटन 2 100 हाई ट्विस्ट यार्न का भाव जो पहले 450 से 460 रू के भाव रेंज में बिक रहा था, बीच की अवधि में इसमें कारोबार 560 रू में हुए थे, वो अब भाव बढ़कर 800 रू तक बोला जा रहा है। दरअसल जहां में भाव बढ़ाने की गुंजाइश बनती है, वहीं खेल हो जाता है।

उद्योग द्वारा कॉटन पर आयात शुल्क वापस लेने की अपील

नई दिल्ली

वित्त मंत्री द्वारा 2021-22 में कॉटन के आयात पर 10 प्रतिशत शुल्क को देश के कॉटन उद्योग पर कुठाराघात बताते हुए सदर्न इंडिया मिल्स एसोसिएशन (सीमा) ने सरकार से इसे वापिस लेने की अपील की है। उल्लेखनीय है कि देश के कॉटन व सिल्क उत्पादकों को राहत प्रदान करने के लिए सरकार ने जहां कॉटन व कॉटन वेस्ट पर 10 प्रतिशत आयात शुल्क लगाया है, वहीं सिल्क और यार्न के आयात पर शुल्क में वृद्धि की है। सदर्न इंडिया मिल्स एसोसिएशन (सीमा) के चेयरमैन श्री अश्विन चंद्रन का कहना है कि भारत कॉटन टेक्सटाइल के उत्पादन में इस समय प्रतिस्पर्धक स्थिति में है तथा कुल टेक्सटाइल निर्यात में इसका योगदान महत्वपूर्ण है, ऐसे में कॉटन पर आयात शुल्क कॉटन टेक्सटाइल तथा गारमेंट उद्योग पर एक प्रहार है।

प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को लिखे एक पत्र में श्री चंद्रन ने उनसे अनुरोध किया है कि कॉटन तथा कॉटन वेस्ट पर लगाए गए आयात शुल्क को वापस लेकर वैश्विक बाजार में भारतीय कॉटन टेक्सटाइल और गारमेंट उद्योग की प्रतिस्पर्धक स्थिति को बरकरार रखा जाए। उनका कहना है कि शुल्क वापस न लेने की स्थिति में न केवल देश से निर्यात में कमी आ सकती है, अपितु लाखों लोग बेराजगार भी हो सकते हैं। इसके साथ ही उन्होंने सरकार से साफ्टा के तहत बांग्लादेश, श्रीलंका आदि देशों से सस्ते गारमेंट आयात पर अंकुश लगाने की अपील भी की।

श्री चंद्रन का मानना है कि कॉटन पर आयात शुल्क लगाने से किसानों को कोई लाभ नहीं होगा, क्योंकि भारत लगभग 12-14 लाख गांठ कॉटन का आयात हर वर्ष करता है, जो कुल उत्पादन का लगभग 3 प्रतिशत ही है। यही नहीं, भारत जिस क्वालिटी की कॉटन का आयात करता है, उसका उत्पादन देश में नहीं होता है ऐसे में आयात करना आवश्यक है। श्री चंद्रन के अनुसार इस प्रकार की उच्च किस्म की कॉटन के आयात से तैयार फैब्रिक का प्रयोग जिस गारमेंट के निर्माण जाता है, उसका निर्यात किया जाता है या देश के उच्च वर्ग के ग्राहकों की मांग को पूरा किया जाता है। उनका यह भी कहना है कि देश में बीटी कॉटन का योगदान कुल उत्पादन में लगभग 97 प्रतिशत होने के कारण उद्योग एक्सट्रा लांग स्टेपल की कॉटन का आयात करता है। श्री देश का कॉटन टेक्सटाइल उद्योग अभी कोविड-19 के प्रभाव से बाहर ही आ रहा है कि सरकार ने कॉटन के आयात पर शुल्क लगाकर उद्योग को चोट पहुंचाई है। उनके अनुसार सरकार ने जुलाई 2008 में कॉटन से आयात शुल्क हटा लिया था।

ऊनी वस्त्रों की मांग घटी

उदयपुर/ नवीन कोठारी

देश के उत्तरी भागों में बर्फबारी होने का असर शहर में भी दिखाई दे रहा है। दिन में भी हाड़ कंपाने वाली ठंडी हवाओं से जनजीवन प्रभावित है, इसके बावजूद ऊनी बाजार और अन्य ऊनी प्रतिष्ठान खाली पड़े हैं। आमतौर पर वीकेण्ड यानी शनिवार और खासतौर पर रविवार के दिन स्थानीय बाजारों में जहाँ पांव रखने की जगह नहीं मिलती, ऊनी वस्त्र विक्रेता ग्राहकों को घास तक नहीं डालते, वहीं पिछले रविवार को ऊनी वस्त्र बाजारों में बिल्कुल सन्नाटा पसरा था, व्यापारी ग्राहकों का इंतजार करते नजर आ रहे थे। समोर बाग स्थित तिब्बतियन वूलन बाजार में हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी डिस्काउंट सेल शुरू हो गई, इसके बावजूद ग्राहकी आशानुरूप नहीं होने से व्यापारी निराश दिखे। कुछ व्यापारियों से हालचाल जानने पर उन्होंने बताया कि इस बार कोरोना महामारी के कारण इनका व्यवसाय भी प्रभावित हुआ, फिर भी कोरोना को देखते हुए बाजार में गाईडलाइन का पूरी तरह से पालन हुआ। वैसे दिसंबर माह में इनको एक बार पुनः माल का स्टॉक मंगवाना पड़ता है, परंतु इस वर्ष उन्हें माल नहीं मंगवाना पड़ा। स्थानीय होलसेल ऊनी वस्त्र विक्रेताओं ने भी ऊनी माल के और मंगवाना बंद कर समर का माल मंगवाना शुरू कर दिया है। जानकार बताते हैं कि अभी कुछ दिन ठंड का असर तो रहेगा, पर माल का उठाव अब नहीं होगा। समय समय पर ठंड ज्यादा भी पड़ेगी। महाशिवरात्रि के आसपास और फिर होली तक भी ठंड का असर देखा जा सकता है, अतः इस दौरान समर माल की ओर भी ग्राहकों का रुझान नहीं रहेगा।

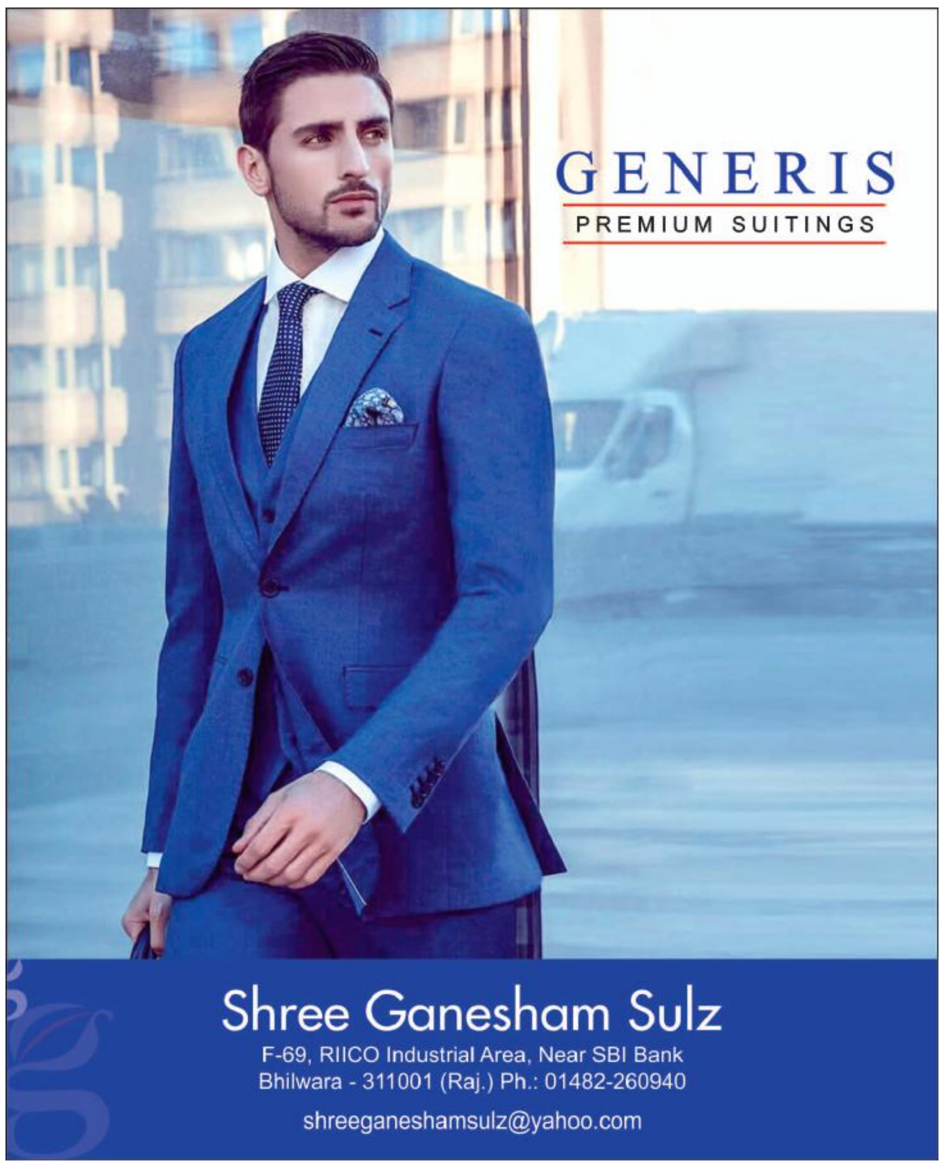

कामकाज सुधरने की आशा में व्यापारी

मुजफ्फरनगर/ अजय कुमार सिंहल...उत्तर प्रदेश की मुजफ्फरनगर सहारनपुर कपड़ा मण्डियों में कामकाज अभी तक अच्छी स्पीड नहीं कपड़ पाया है। यद्यपि मध्यम गति से प्रत्येक सेग्मेण्ट सूटिंग-शर्टिंग, लेडीज सूट, साड़ीज, हैण्डलूम, रेडीमेड में काम-काज जारी है। पार्टियों से पेमेण्ट आवक स्लो बनी हुई है। बाजार पर कमजोर लग्नसराय, प्रमुख त्यौंहार न होना, मौसम अभी पूरी तरह साफ न होने का नकारात्मक असर साफ दिखाई पड़ रहा है। नीचे काम-काज निकासी कम होने से दिसावरों की अत्यधिक तेजी भी थम गई है। तुलसी साड़ीज सूट के युवा थोक विक्रेता के अनुसार मौसम थोड़ा सा और साफ होने पर काम-काज सुधरने की प्रबल आशा है।

फैशन क्रिएटर ब्राण्ड SUGAM की नई पेशकश

मेन्स वियर के लिए नई एवं आकर्षक टीआर रेंज लॉञ्च

भीलवाड़ा/ लग्जरी सूट्स एवं केज्युअल पुरूष परिधानों के लिए उत्कृष्ट क्वालिटी के फैंसी सूटिंग उत्पादन में सिद्धहस्त कम्पनी शुभ लक्ष्मी सिन्टेक्स लि. के फ्लेगशिप ब्राण्ड SUGAM की कीर्ति वैश्विक स्तर पर सालों से कायम है। क्वालिटी, नवाचार एवं नये निर्माण में शुरू से ही अभ्यस्त यह कम्पनी भीलवाड़ा वस्त्र मण्डी की सबसे पॉपुलर कम्पनी भी है। मेंस फैशन के लिए समर्पित यह कम्पनी अपने फैंसी सूटिंग ब्राण्ड SUGAM के तहत उम्दा एवं बेहतरीन किस्म की फैब्रिक रेंज बनाती है, जिसका वैश्विक स्तर पर एक बड़ा ग्राहक वर्ग है। शुरू से ही फैशन क्रिएटर रही यह कम्पनी पुरुष परिधानों के लिए नये-नये डवलपमेण्ट करती रहती है। डायरेक्टर श्री शांतिलाल पानगड़िया एवं एग्जिक्यूटिव डायरेक्टर श्री गौरव पानगड़िया के नेतृत्व में कम्पनी क्वालिटी एवं फैशन से लबरेज सूटिंग उत्पाद बनाने में अग्रणी पायदान पर है। मेंस फैशन बाजार पर अपनी पैनी निगाह रखने वाली इस कम्पनी की डिजाइनर टीम हर दिन कुछ नया करने की सोच के साथ नये डिजाइन्स, नये कलर्स एवं नये टेक्सचर्स में अत्यन्त ही सुन्दर एवं आकर्षक सूटिंग फैब्रिक्स रेंज के लिए जानी जाती है। अन्तरर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध SUGAM ब्राण्ड के तहत कम्पनी पीवी एवं कॉटन ब्लेण्डेड सूटिंग का बड़े पैमाने पर उत्पादन करती है। कम्पनी का स्टोर लाइन एवं गारमेण्ट सेक्टर में अच्छा खासा सेल्स नेटवर्क है।

मेन्स फैशन का पर्याय...भीलवाड़ा वस्त्र नगरी का सिरमोर सूटिंग ब्राण्ड SUGAM एक फैशन क्रिएटर ब्राण्ड है, जो अब तक के सफर में अपनी युनिक उत्पाद रेंज के जरिये स्टोर लाइन में रिटेलर्स का पसंदीदा ब्राण्ड बन चुका है, वहीं फैशन का पर्याय भी बन चुका है। युवा एक्जीक्यूटिव डायेक्टर श्री गौरव पानगड़िया ने कहा कि कम्पनी SUGAM ब्राण्ड के तहत बनने वाली समस्त रेंज का उत्पादन 'स्टेट ऑफ आर्ट' वीविंग प्लाण्ट में होता है, जहां पर अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी से सुसज्जित उत्पादन इकाई में प्रशिक्षित टेक्नीशियंस एवं कारीगरों की टीम फैशन पसंद पुरूषों के लिए उनकी पसंद का कपड़ा बनाने में निरन्तर कार्यरत है। बेहतरीन किस्म के धागों से वीविंग करना तथा उत्कृष्ट लेवल की प्रोसेसिंग एवं फिनिशिंग से कपड़ा तैयार करना कम्पनी अपनी प्रथम जिम्मेदारी समझती है।

SUGAM
PREMIUM SUITINGS

नई फैंसी टीआर सूटिंग रेंज तैयार...हर दिन कुछ नया करने की सोच के साथ प्रगतिशील कम्पनी शुभलक्ष्मी सिन्टेक्स लि. ने हाल ही आगामी सीजन के लिए अत्यन्त आकर्षक फैंसी टीआर एवं टीआर लाइक्रा सूटिंग में नई रेंज लाञ्च की है। बेहद आकर्षक डिजाइंस एवं कलर्स में निर्मित एवं फाइन काउण्ट में तैयार यह टीआर सूटिंग रेंज, मेंस सूट एवं केज्युअल परिधानों के लिए तैयार की गई है। आगामी त्यौहारी, वैडिंग एवं समर सीजन को तैयार कलेक्शन फैशन के समस्त मापदंडों पर खरा उतरत है। कम्पनी सूत्रों के अनुसार इम्पोर्टेड टीआर फैब्रिक को कड़ी चुनौती देने वाली कम्पनी की यह टीआर रेंज इस समय देशभर में व्यापक स्तर पर सराही जा रही है। बाजार से मिले अच्छे फीडबेक से उत्साहित कम्पनी प्रबंधन एवं सेल्स टीम आगामी सीजन की जबरदस्त तैयारी में जुटी हुई है।

अच्छे रिटेल स्टोर्स के लिए श्रेष्ठ विकल्प...वर्षों के गहन शोध एवं अनुसंधान की उपज SUGAM ब्राण्ड, फैशन का दूसरा नाम है। यह सिल्की, स्मूथ एवं सोफ्ट फील तथा लग्जूरियस फील एवं लुक्स प्रदान करने वाला अग्रणी ब्राण्ड है। इसकी विस्तृत फैब्रिक रेंज एक अच्छे रिटेल स्टोर के लिए श्रेष्ठ विकल्प के तौर पर चुनी जाती है। पूरे भारत में कम्पनी का विस्तृत एवं सशक्त डीलर नेटवर्क है, जो रिटेलर्स के माध्यम से आम जनता तक पहुंचाया जा रहा है।

आवश्यकता के अनुरूप उत्पादन...श्री गौरव पानगड़िया ने कहा कि कपड़ा बाजार में अब धीरे-धीरे सुधार हो रहा है। जैसे-जैसे कोरोना का असर कम होता जा रहा है, वैसे-वैसे कपड़ा कारोबारी आगामी सीजन को लेकर उत्साहित नजर आ रहे हैं। यार्न के भावों में आई भारी तेजी से नया माल बनाने में हालांकि निर्माताओं को सुरक्षात्मक दृष्टिकोण से काम करना चाहिए, वहीं अपने-अपने व्यापारिक नेटवर्क से फीडबेक लेकर ही आगामी योजना पर काम करना उचित एवं सुरिक्षत कदम होगा।

बाजारों में सन्नाटा देशावर में तेजी

सतना/ बलराम शुक्ला.... इस वर्ष यह पहला मौका है, जब फरवरी मार्च में लगन नहीं हैं। प्रायः फरवरी मार्च में लगन होने से अप्रैल में पेमेंट की आवक बनी रहती थी, किन्तु इस वर्ष स्थिति खराब हो गई है। व्यापार भी नहीं है, पैसा भी नहीं है व सभी मंडियों का पेमेंट लड़खड़ाया है। रही बात व्यापार की, तो जनवरी फरवरी मे ठंड अच्छी पड़ने से विंटर का माल जो अटक गया था, वो सारा निकल गया है। थोड़ा बहुत प्राइवेट स्कूल खुलने से यूनिफॉर्म में पूछ परख चालू है, काम भी हो रहा है। थोक वस्त्र व्यवसायी इसी समय आने वाले सीजन की तैयारी करता है लेकिन अचानक ग्रे में तेजी आने से बढ़े भावों पर माल लेना पड़ रहा है, इसलिए अभी अच्छा व्यापारी खरीदी करने के मूड में नहीं है, क्योंकि लगन अप्रैल में हैं, इसलिए व्यापारी खरीदी करके पेमेंट का टेंशन नहीं पालना चाहता है। अब आगे खरीदी मार्च में ही होगी ऐसा व्यापारियों का कहना है।

CHINAR PLUS ने गारमेण्ट सेक्टर में मचाया तहलका

जयपुर सेल्स कॉन्फ्रेंस में हुई जबरदस्त बुकिंग

भिवानी/होटल क्राउन प्लाजा, जयपुर राजस्थान में दिनांक 19 से 21 जनवरी तीन दिवसीय चिनार प्लस गारमेंट्स की बेहतरीन डिजाइन की प्रदर्शनी लगाई। श्रीमती मीनू अग्रवाल ने स्व. परमश्रद्धेय बाबू राम भजन अग्रवाल जी (पूर्व मंत्री हरियाणा सरकार) के चित्र पर पुष्प अर्पित कर व श्री कपिल सोनी ने रिबन काटकर रिटेल गारमेंट्स सेल का शुभारंभ किया। चिनार फैब्रिक्स के युवा डायरेक्टर उज्जवल अग्रवाल ने श्री मीनू अग्रवाल जी को गुलदस्ता भेंट किया इस अवसर पर दिव्यांश अग्रवाल, सूर्यांश अग्रवाल, दीपक अग्रवाल व चिनार प्लस गारमेंट्स के व्यापारी मौजूद रहे। श्री उज्ज्वल अग्रवाल जी ने रिटेल सेल्स हॉल में श्री सोनी जी के शुभ हाथों से केक कटवा कर बुकिंग का पहला इण्डेट भरकर कर बुकिंग का शुभारंभ किया। रिटेल गारमेंट्स व्यापारियों ने जयपुर कॉन्फ्रेंस में बढ़ चढ़कर भाग लिया। अग्रवाल ने बताया कि चिनार प्लस गारमेंट्स व्यापारियों ने गारमेंट्स की सराहना करते हुए अधिक से अधिक बुकिंग दी और कॉन्फ्रेंस को सफलता के शिखर पर पहुंचा दिया। चिनार प्लस गारमेंट्स उत्पादों की प्रदर्शनी पूरी रेंज के साथ लांच की। चिनार फैब्रिक्स के युवा डायरेक्टर उज्ज्वल अग्रवाल ने बताया कि चिनार फैब्रिक्स की चिनार प्लस गारमेंट्स अपने आप में ब्रांडेड गारमेंट हैं जो कि उपभोक्ताओं को काफी पसंद आ रहे हैं और उपभोक्ता की पहुंच में बने हुए हैं। चिनार प्लस गारमेंट की जयपुर कॉन्फ्रेंस नई बुलंदियों को छू कर अपना नया कीर्तिमान स्थापित किया है। चिनार प्लस गारमेंट सेक्टर में और भी बेहतर डिजाइन उपलब्ध करवाने के लिए मेहनत कर रही है ताकि अपने ग्राहकों को सस्ते दामों में अच्छी क्वालिटी उपलब्ध हो सके। यह सीजन एवं वर्ष आपके लिए लाभकारी एवं सुख समृद्धिशील योजनाओं से लाभप्रद होगा।

देश के कपड़ा बाजार में चिनार प्लस गारमेण्ट्स की मांग बढ़ी...

श्री मीनू अग्रवाल ने बताया कि चिनार प्लस ने अपनी बेहतरीन उत्पाद रेंज की वजह से आज देशभर के कपड़ा बाजारों में अच्छी साख बन गई हैं। इसके पीछे कड़ी मेहनत है जिसकी वजह से चिनार फैब्रिक्स विविधतापूर्ण श्रेष्ठ गुणवत्तावाली रेंज के बेहतरीन वस्त्र उपभोक्ताओं ग्राहकों के हाथों तक पहुँचाकर चिनार प्लस के नाम से गारमेण्ट्स सेक्टर में विशेष पहचान बनाई। चिनार प्लस ने भारतीय कपड़ा बाजार में गारमेण्ट्स की पुरी रेंज लॉञ्च कर देश के कपड़ा बाजार में तहलका मचा दिया है देश के कपड़ा बाजार से गारमेण्ट्स के अच्छे ऑर्डर प्राप्त हो रहे है। और भारतीय कपड़ा बाजार में खूब सराहा जा रहा है और इसकी बाजारों में अच्छी खासी मांग बन गयी है। आगामी आने वाले समर सीजन में चिनार प्लस के नये गारमेण्ट्स की बाजार में बढ़ती हुई मांग देखते हुए और बदलते फैशन के दौर में बेहतरीन गारमेण्ट आने वाले समर सीजन के लिए भावी योजना के साथ लॉञ्च किये है। चिनार फैब्रिक्स के युवा डायरेक्टर उज्ज्वल अग्रवाल ने बताया कि देश में कोविड 19 के कारण बिकवाली प्रभावित हुई थी लेकिन अब बिकवाली में अच्छा उछाल आया है।

नारायणी एसोसिएट्स द्वारा गारमेण्ट फेयर आयोजन सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ

गोरखपुर/ स्थानीय होलसेल प्रतिष्ठान नारायणी एसोसिएट्स द्वारा दिनांक 24 व 25 जनवरी को गोरखपुर के सिविल लाइन्स स्थित गोकुल अतिथि भवन में गारमेण्ट फेयर का भव्य आयोजन किया गया। इसमें 20 मैन्युफेक्चरर्स ने मेन्सवीयर में डेनिम शर्ट, ट्राउजर्स व एथेनिक वीयर तथा महिलाओं के परिधान में कुर्ती आदि का भव्य प्रदर्शन किया। इस फेयर में करीब 160 रिटेलर्स व 18-20 होलसेलर्स ने भाग लिया। इस अवसर पर शहर के गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित रहे। यह ट्रेड फेयर अत्यन्त सफल रहा। फर्म के ऑनर श्री प्रमोद जालान एवं श्री संजय जालान के संयुक्त नेतृत्व में यह आयोजन किया गया था। आयोजन को सफल बनाने के लिये इन्होंने सभी व्यापारियों का आभार व्यक्त किया।

परफेक्ट मिक्स & मैच ब्राण्ड

ADITYA RAYON ने पेश किए नये गिफ्ट पैक्स

श्री सत्येन्द्र सिंह चौहान

श्री आशीष कुमार जैन

भीलवाड़ा/ वस्त्र नगरी भीलवाड़ा में तेजी से उभरते मिक्स & मेच ब्राण्ड Aditya Rayon ने आगामी सीजन की जबरदस्त तैयारी शुरू कर दी है। आकर्षक गिफ्ट पेकिंग्स में 35-40 प्रकार की रेंज मैण्टेन करने वाले इस ब्राण्ड की निर्माता कंपनी आदित्य सुल्जकॉन प्रा.लि. ने मात्र 10 वर्षों में अच्छा नाम कमाया है। युवा वस्त्र व्यवसायी श्री सत्येन्द्र सिंह चौहान एवं श्री आशीष कुमार जैन के नेतृत्व में यह कंपनी प्रगति के नित नये सौपान तय कर रही है। कपड़ा व्यवसाय में 20 वर्षों के अनुभवी श्री सत्येन्द्र सिंह चौहान के मिलनसार व्यक्तित्व एवं बुद्धिमता से आज इस कंपनी के उत्पाद पूरे भारत में पूरी डिमाण्ड के साथ बिकते हैं। वेडिंग एवं मांगलिक अवसरों पर गिफ्ट देने के लिए तथा सिलाई करवाकर पहनने के लिए Aditya Rayon की मिक्स एण्ड मैच बेहद रेंज उपयुक्त मानी जाती है। श्री चौहान ने कहा कि हमारी कंपनी शुरू से ही उत्तम गुणवता एवं फैशनेबल फैब्रिक्स से ही कोम्बो तैयार करती है, वहीं कंपनी लेटेस्ट फैशन एवं ट्रेण्ड्स को भी फॉलो करती है।

AADITYA RAYON®
DUBAI • NEWYORK • ENGLAND

आगामी सीजन के लिए नई उत्पाद रेंज... Aditya Rayon की ओर से आगामी सीजन के लिए खास तैयारी की जा रही है। कंपनी ने अपनी समस्त पेकिंग रेंज में नई एवं आकर्षक फैंसी डिजाइंस के फैब्रिक्स का समावेश किया है। आकर्षक फैंसी उत्पाद तैयार करने के लिए कंपनी लेटेस्ट फैशन एवं ट्रेण्ड्स के अनुरूप उत्पादन ले रही है। श्री चौहान के अनुसार कंपनी अपनी प्रत्येक रेंज को खास अंदाज में तैयार करती है। फैशन के साथ-साथ क्वालिटीयुक्त सूटिंग-शर्टिंग, परफेक्ट मैंचिग तथा आकर्षक तथा मजबूत पेकिंग मटीरियल Aditya Rayon के मिक्स & मेच की खूबियां हैं।

बजट के विश्लेषण हेतु चर्चा का आयोजन

मुबई/ वर्ष 2021-22 के केंद्रीय बजट प्रावधानों के विश्लेषण हेतु चेंबर ने बजट परिचर्चा का आयोजन किया। महानगर के प्रख्यात कर सलाहकार श्री शंकरलाल जैन ने उपस्थित सदस्यों को बजट में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष करों में हुए बदलावों में सरल भाषा में अवगत कराया, खासकर टेक्सटाइल क्षेत्र में किए गए प्रावधानों की जानकारी दी। चेंबर के अध्यक्ष श्री हरीराम अग्रवाल ने प्रमुख वक्ता का सत्कार किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में प्रमुख व्यापारी गण उपस्थित थे। इस अवसर पर चेंबर के उपाध्यक्ष श्री शिखरचंद जैन व सर्व श्री रामप्रसाद विदावतका, अनुराग पोद्दार, विनोद लोहा, श्याम सुंदर चाचान, चेंबर संरक्षक काशीनाथ गाडिया, बैजनाथ रुंगटा, उत्तम जैन सहित कई व्यापारियों ने बजट के बारे में प्रश्न में किए, जिनके संतोषजनक समाधान मिले।

घाटे में चले जाने से महाराष्ट्र में सूत गिरणी उद्योग संकट में

तीन हजार करोड़ रुपए का सूत तैयार होता था

कोल्हापुर/ राहुल खाड़े

बड़े गाजेबाजे के साथ शुरू की गई महाराष्ट्र की ज्यादातर सूत गिरणी को अब ताला लगाने का समय आ गया है। चुनिंदा सूत गिरणी को छोड़कर सभी घाटे में चले जाने और उस पर मंदी का बड़ा असर होने से यह उद्योग बड़े संकट में फंसा है। उसके फिर से ऊर्जितावस्था मिलने के लिए यह उद्योग केंद्र सरकार की ओर से अनुदान मिलने की प्रतीक्षा में है। पांच साल पहले राज्य में 190 सूत गिरणी थी। इसमें से हर साल कुछ गिरणी बंद होते होते यह संख्या 150 तक पहुँच गई। अब तो सिर्फ 64 गिरणी शुरू हैं, जिसमे से कई आर्थिक संकट में फंसी हैं। हर दिन 15 लाख चाती के माध्यम से तीन हजार करोड़ रुपए का सूत तैयार होता था और उस पर 40 हजार सीधे तौर पर कामगार काम कर रहे थे। बाकी राज्यों की तुलना में बढ़े हुए बिजली के दर, कुछ गिरणियों को खड़ा होने में लगा समय, इससे बढ़ा हुआ खर्चा, लगातार चार साल आ गई मंदी व भाग भांडवल की कमी के कारण इनके सामने बड़ा आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। सहकारी शक्कर कारखानों के बाद राजकीय नेताओं ने बड़ा निवेश इस उद्योग में किया, जिससे निजि और सहकारी इन दोनों सूतगिरणी को शुरू रखने के लिए वे हलचल कर रहे हैं, जबकि इस उद्योग को राज्य और केंद्र सरकार की ओर से मदद नहीं मिलने से समस्याएं बढ़ रही हैं। केंद्र सरकार को सूत गिरणी के लिए पेकेज देना चाहिए। सहूलियत के दर में कर्जा मुहैया कराए। सौर ऊर्जा प्रकल्प के लिए कम ब्याज में कर्जा देने के लिए वित्तीय संस्था को आदेश देने के साथ कई मांगों को लेकर सरकार के साथ बातचीत चल रही है। यदि इसमें सफलता मिली, तो ही इस उद्योग जिंदा के रहने की आशा है।

महाराष्ट्र में कुल 114 सूतगिरणी हैं। इसमें से 46 सूतगिरणी निजी हैं। इसमें से 64 सूत गिरणी शुरू हैं। राज्य के कुल पावरलूमों की संख्या 14 लाख है, जबकि पांच साल पहले राज्य में 190 सूतगिरणी थी। राज्य की चुनिंदा सूतगिरणी को छोड़कर बाकी सभी घाटे में जाने और उस पर मंदी का असर होने से यह उद्योग बड़े संकट में है। हरा सुखा, बेमौसमी बारिश, कोरोना और बाकी कारणों की वजह से दो सालों से इन गिरणी को बड़ा आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है।

पेज 1 का शेषांश...टेक्सटाइल उद्योग द्वारा बजट का स्वागत

श्री गर्ग का कहना है कि सरकार बजट में अधिक राशि के आबंटन के साथ आगामी 3 वर्षों में 7 मेगा टेक्सटाइल पार्कों के निर्माण के अतिरिक्त केप्रोलेक्टम, नायनॉल चिप्स आदि के आयात शुल्क में कमी आदि से घरेलू उद्योग लाभान्वित होगा। उनका कहना है कि सरकार के सक्रिय सपोर्ट और सहयोग से आने वाले वर्षो में टेक्सटाइल उद्योग विश्व में प्रतिस्पर्धक बनने के साथ ही विशाल निवेश को आकर्षित करने के साथ ही रोजगार के अवसर भी उपलब्ध कराएगा। उनका कहना है कि कॉटन आयात पर ड्यूटी लगाने और रॉ सिल्क तथा सिल्क यार्न पर आयात शुल्क 10 प्रतिशत से बढ़ाकर 15 प्रतिशत करने से इनके घरेलू उपभोक्ता ओं को लाभ होगा। उन्होंने सरकार से अनुरोध किया कि मैनमेड यार्न पर आयात शुल्क की दर वर्तमान 5 प्रतिशत से बढ़ाकर 10 प्रतिशत करने की आवश्यकता है। उनका कहना है कि सस्ते आयात से मैनमेड यार्न के घरेलू उत्पादक परेशानी अनुभव कर रहे हैं। कॉटन टेक्सटाइल्स एक्सपोर्ट प्रमोशन कौंसिल के चेयरमैन श्री मनोज पाटोदिया का कहना है कि सरकार द्वारा कैप्रोलेक्टम, नायलॉन चिप्स, नायलान यार्न आदि पर आयात शुल्क में कमी से घरेलू एमएमएफ सेक्टर और खासकर एमएसएमइ सेक्टर को लाभ होगा। बहरहाल, उन्होंने कॉटन आयात पर शुल्क लगाने की आलोचना करते हुए कहा कि इससे भारतीय उत्पादों की लागत में वृद्धि होगी और निर्यात प्रभावित हो सकता है। क्रिसिल रिसर्च की निदेशक (टेक्सटाइल्स) सुश्री हेतल गांधी का कहना है कि मेगा टेक्सटाइल पार्क्स की स्थापना से भारतीय टेक्सटाइल निर्यातक वियतनाम, बांग्लादेश आदि के निर्यातकों से मुकाबला कर सकेंगे। पार्कों की स्थापना से भारतीय निर्माताओं की लागत कम होने के साथ ही क्वालिटी में भी सुधार होगा।

केन्द्रीय बजट पर उद्यमियों के विचार...

बजट अर्थव्यवस्था के लिए संजीवनी होगा

इन्दौर/ महामारी कोविड-19 से जंग लड़ रहे भारत की बेपटरी अर्थव्यवस्था को वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत 2021-22 का बजट असंभव को संभव कर दिखाने जैसी चुनौतियों में समाधान कारक बनेगा। बजट के दिन ही शेयर मार्केट में उछाल आना इस बात का द्योतक है कि आने वाले वर्षो में भारत की विकास दर 11 फीसदी से अधिक होगी, जैसा कि अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष ने अनुमान लगाया है। यह बजट सभी लोगों की आशा और उम्मीदों से भरा है। ये विचार विभिन्न वक्ताओं के हैं, जो उन्होंने जाल सभागृह में केन्द्रीय बजट पर आयोजित परिचर्चा में व्यक्त किए। कार्यक्रम का आयोजन द टेक्सटाईल्स एसोसिएशन इंडिया की म.प्र. शाखा, मध्यप्रदेश मिल्स एसोसिएशन और स्पिनर्स क्लब ने संयुक्त रूप से किया। बजट पर प्रसिद्ध अर्थशात्री और करियर काउंसिल डॉ. जयंतिलाल भंडारी ने कहा कि वित्तमंत्री सीतारमण द्वारा प्रस्तुत बजट विभिन्न आर्थिक चुनौतियों से राहत पाने की आस है, जिसे सब टकटकी लगाए देख रहे थे. इस बजट से जहां आर्थिक सुस्ती का मुकाबला किया जा सकेगा, वहीं आम आदमी किसानों, मजदूर वर्ग, महिला वर्ग, युवा, वरिष्ठ नागरिकों तथा सर्विस सेक्टर की मुश्किलों को कम करेगा। अर्थशास्त्री श्री कमलेश भंडारी ने कहा कि अब हमारा कृषि क्षेत्र की इकॉनॉमी सरप्लस हो गई है, ऐसे में किसानों को चाहिए कि वे गेहूँ, चावल के बजाय दलहन और कपास का अधिक उत्पादन करें। कर सलाहकार श्री सुनील जैन ने कहा कि कोरोना काल में भी वित्तमंत्री ने बेहतर बजट प्रस्तुत किया। मीडिया प्रभारी श्री प्रवीण जोशी ने कहा कि संस्था प्रतिवर्ष बजट पर एक बड़ा आयोजन करती है. अतिथियों का स्वागत सर्व श्री पारुल त्रिवेदी, मनोहर बतरेजा, राकेश कुलश्रेष्ठ, ऋचा वेदा, वी.पी. गुप्ता ने किया। अतिथियों को प्रतीक चिन्ह सर्व श्री विनय देवड़ा, एन. याग्निक, गौरव अग्रवाल ने प्रदान किए। संचालन श्री अशोक वेदा ने किया. कार्यक्रम में श्री ईश्वर बाहेती, अजीत नारंग, डॉ. डी अग्रवाल, प्रीति सारिया सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। आभार माना श्री दीपेश अग्रवाल ने।

हर वर्ग की आशाओं को पूरा करने वाला... संस्था के चेयरमेन श्री एम.सी. रावत ने कहा कि यह बजट हर वर्ग की आशाओं को पूरी करने वाला है और इससे हमारी अर्थव्यवस्था सुधरेगी। श्री बीरेन्द्र पोरवाल ने कहा कि पेट्रोलियम पदार्थों की मूल्य वृद्धि से महंगाई को बढ़ने से नहीं रोका जा सकता है। श्री अशोक वेदा ने कहा कि यह बजट कोविड-19 की निराशाओं के बीच उजली आशाओं का संकेत है। इससे हमें आर्थिक चुनौतियों से लड़ने में ताकत मिलेगी और विकास दर तेजी से बढ़ेगी। चर्चा में श्री कैलाश अग्रवाल, व श्री अंकित वेदा ने भी संबोधित किया।

कोरोनाकाल में इससे अच्छा बजट नहीं... चार्टर्ड अकाउंटेंट श्री सुभाष देशपाण्डे ने कहा कि बजट में 75 वर्ष से अधिक उम्र के व्यक्ति को अब रिटर्न फाईल नहीं करना होगी, जो एक अच्छा संकेत है, हालांकि इस बजट में मध्यमवर्ग का बहुत अधिक ध्यान नहीं रखा गया है। यह लोकलुभावन बजट है और कोरोना काल में इससे अच्छा बजट नहीं हो सकता है। चार्डर्ड अकाउटेंट श्री अजीत जैन ने कहा कि भारत के शेयर मार्केट का भविष्य उज्जवल है। कोरोना काल में जब सारी गतिविधियां बन्द थी, उसके बावजूद शेयर मार्केट में रौनक थी। चीन का माहौल नेगेटिव है, अतः इस कमजोरी का फायदा भारत के शेयर मार्केट को उठाना चाहिए।

औद्योगिक निवेश को मिलेगा प्रोत्साहन -श्री महेश हुरकट

भीलवाड़ा/आम बजट में आधारभूत संरचना एवं अर्थव्यस्था पर जोर दिया गया है। इससे अर्थव्यवस्था मजबूत होगी, औद्योगिक निवेश को प्रोत्साहन मिलेगा व रोजगार के अवसरों में तेजी से वृद्धि होगी। आयातित कपड़े में ड्यूटी लगने से घरेलू कपड़ा उद्योग को प्रतिस्पर्धा में खड़े रहने में सहायता मिलेगी। मेगा इन्वेस्टमेंट टेक्सटाइल पार्क स्कीम से टेक्सटाइल के क्षेत्र में भारी निवेश आएगा, जिससे रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। वर्ल्ड क्लास इन्फ्रास्ट्रक्चर विकसित होगा व बुनियादी ढांचा मजबूत होगा व देश आत्मनिर्भरता की तरफ बढ़ेगा। कृषि क्षेत्र में भी काफी फण्ड का आवंटन हुआ है, जो किसानों के लिए कल्याणकारी व लाभकारी रहेगा। स्वस्थ भारत मिशन के तहत फण्ड आवंटन से देश में हेल्थ बढ़ाने वाला बजट है, इससे हर क्षेत्र में विकास होगा। यह बजट आपदा को अवसर में बदलने वाला है।

व्यापारियों को नहीं मिली राहत -श्री प्रकाश पिरगल

बैंगलुरू/ दी बेंगलुरू होलसेल कपड़ा मर्चेण्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री प्रकाश पिरगल ने कहा कि बजट में व्यापारियों को किसी तरह की रियायत नहीं मिली, जबकि कोरोना से पीड़ित छोटे व्यापारियों को राहत की आस थी लेकिन वित्तमंत्री ने निराश किया है। कपड़े पर जीएसटी 5 से घटाकर 2 प्रतिशत करने की मांग का भी वित्तमंत्री ने अनदेखी की है स्वास्थ्य के हिसाब से ये बजट काफी अच्छा दिख रहा है। कोरोना वैक्सीन के लिए सरकार ने बहुत अच्छा बजट प्रावधान किया है।

बजट से देश की आर्थिक स्थिति होगी मजबूत -श्री पवनराज गुप्ता

बालोतरा/ कठिन समय ही सही परीक्षा का समय होता है। वैश्विक महामारी कोविड-19 ने पिछले 10 माह में विश्व की अर्थव्यवस्था को तबाह कर के रख दिया। भारत भी इसकी चपेट में आया और इस मुश्किल घड़ी में भारतीय अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करना उसे फिर से विकास के इंजन बनाना और निराशाजनक स्थिति को आशावान वातावरण में परिवर्तित करना स्वाभाविक रूप से भारतीय लक्ष्य है। यह विचार व्यक्त करते हुऐ लघु उद्योग भारती-बालोतरा इकाई के उपाध्यक्ष श्री पवनराज गुप्ता ने बताया कि संतोष इस बात का है कि वित्त वर्ष 2021-22 का बजट इन कसौटी पर खरा उतरता है। यदि बजट का संपूर्ण क्रियान्वयन हुआ तो निसंदेह देश को आर्थिक संजीवनी साबित होगा। इस बजट में स्वास्थ्य एवं मूलभूत संरचना पर निवेश के प्रस्तावों से देश की आर्थिक स्थिति को मजबूती मिलेगी तथा लघु एवं सूक्ष्म उद्योगों पर इसका सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। सरकार द्वारा कच्चे माल पर आयात शुल्क की कमी किए जाने की वजह से सभी प्रकार के उद्योगों को लाभ मिलेगा। देश में 7 कपड़ा पार्कों की योजना में निवेश होने से बेरोजगारी के उन्मूलन में सहायता मिलेगी। अब 3 वर्षों से पहले व्यापारी के आयकर संबंधित केस नहीं लगेंगे। इस बजट से साझेदारी फर्म पर लागू आयकर की दरों में कटौती को इस बजट में शामिल नहीं किया गया है जीएसटी लगने के बाद छोटे स्तर पर टीडीएस की महत्ता नहीं रह गई है। अगर 500000 से कम जॉब कार्य पर टीडीएस की अनिवार्यता खत्म कर दी जाए, तो उद्यमों को आर्थिक के साथ अनावश्यक कागजी कार्यवाही वकील फीस की बचत हो सकती है।

SHREE
Govindam
presents
Bonnaroo वस्त्र उत्सव
सफलता का दूसरा नाम
2021 3.0
TOP MOST
BRANDS
UNDER ONE ROOF
1ST & 2ND MARCH AT
RADISSON BLU RESORT,
GOA
Follow us : /bonnaroo.vastra.utsav21
99507 93747 | 93747 16126 | 95094 37053
Bonnaroovastrautsav.com | Bonnaroovastrautsav@gmail.com
2047, Silk City Market, Ring Road, Surat

सम्पादकीय....

प्रगतिशील व रचनात्मक बजट

अर्थव्यवस्था को पटरी से उतार देने वाली महामारी के बीच आए आम बजट ने केवल नए टैक्स की आशंका को ही दूर नहीं किया, बल्कि ऐसे कई सुधारों की राह भी खोली, जिनकी प्रतीक्षा एक अर्से से की जा रही थी। सबसे उल्लेखनीय यह है कि विनिवेश के लक्ष्य को हासिल करने के उपाय तय करके यह स्पष्ट करने की भी कोशिश की गई कि सरकार का काम उद्योग चलाना नहीं है। यह विचित्र है कि जब न्यूनतम सरकार-अधिकतम क्षमता की अवधारणा को साकार करने की दिशा में ठोस कदम उठाए जा रहे हैं, तब विपक्षी दल यह शोर मचाने में लगे हुए हैं कि सरकारी कंपनियों को बेचा जा रहा है। हास्यास्पद यह है कि इनमें वह कांग्रेस भी शामिल है, जिसने अपने समय में विनिवेश नीति को आगे बढ़ाया। विपक्ष के रवैये से तो यही लगता है कि वह समाजवादी सोच वाली अर्थव्यवस्था के नाकाम हो जाने के बाद भी यह मानकर चल रहा है कि सब कुछ सरकार को ही करना चाहिए और उससे ही लोगों में खुशहाली आएगी। सात दशक बाद भी यह सोच राजनीतिक दीवालियेपन का परिचायक है। यदि भारत के साथ स्वतंत्र हुए अन्य देश आर्थिक प्रगति में आगे निकल गए तो इसी कारण कि वहां की सरकारों ने सब कुछ खुद करने की नीति नहीं अपनाई।

निःसंदेह बजट के हरेक प्रविधानों पर विपक्ष का सहमत होना आवश्यक नहीं। किसी को ऐसी अपेक्षा भी नहीं करनी चाहिए, लेकिन उसका यह समवेत स्वर उसकी अगंभीरता को ही बयान करता है कि गरीबों, किसानों के लिए बजट में कुछ भी नहीं है और उसमें केवल पूंजीपतियों का ध्यान रखा गया है। इस तरह की घिसी-पिटी और उबाऊ बातें करके विपक्ष केवल लोगों को गुमराह ही नहीं करता, बल्कि उपहास का पात्र भी बनता है। कोई भी बजट हो, उसमें केवल खामी उसे ही दिख सकती है, जो घोर नकारात्मकता में आकंठ डूबा हो। क्या स्वास्थ्य क्षेत्र पर खर्च बढ़ाए जाने, आधारभूत ढांचे को मजबूत करने, नए स्कूल खोलने, कृषि उपकर का बोझ आम आदमी पर न पड़ने देने जैसी घोषणाएं भी विपक्ष को नजर नहीं आईं? यह सही है कि आयकरदाताओं को कोई राहत नहीं मिली, लेकिन क्या यह महत्वपूर्ण नहीं कि महामारी के चलते अर्थव्यवस्था के पस्त होने के बाद भी कोई नया टैक्स नहीं लगाया गया? इसकी भी अनदेखी नहीं की जानी चाहिए कि बजट के जरिये न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी एमएसपी खत्म करने की किसानों को बरगलाने वाली बातों को अफवाह साबित किया गया है। उचित यही है कि बजट पर व्यर्थ की आलोचना की परवाह किए बिना सरकार उसमें की गई घोषणाओं पर अमल के लिए अपनी प्रतिबद्धता का परिचय दे।

सूत का कर 7.5 से 5 फीसदी

कोल्हापुर/ राहुल खाड़े

कोरोना के चलते सभी क्षेत्रों में अस्थिरता का माहौल होते हुए वित्तमंत्री निर्मला सीतामरण ने पेश किया अर्थसंकल्प, यह जनता की आशा-आकांक्षा पूरी करने की दृष्टि से समतोल अर्थसंकल्प है। विशेष तौर पर वस्त्रोद्योग के क्षेत्र में मेगा इन्वेस्टमेंट टेक्स्टाइल पार्क (मित्रा) निर्माण की घोषणा वस्त्रोद्योग क्षेत्र को चालना देने वाली है, ऐसा भाजपा प्रदेश के उपाध्यक्ष श्री सुरेश हालवणकर ने कहा। देश का वस्त्रोद्योग जागतिक स्पर्धा में सक्षम बनाने के लिए और बड़े पैमाने पर रोजगार निर्माण के लिए मेगा इन्वेस्टमेंट टेक्सटाइल पार्क (मित्रा) योजना लॉन्च की है। इस योजना के तहत तीन सालों में सात मेगा टेक्स्टाइल पार्क का निर्माण किया जाएगा। इस पार्क में सभी सुविधा होगी, जिससे उत्पादन और यातायात खर्चे में बड़ी बचत होगी। इन पार्क्स निर्माण किया जाने वाला उत्पादन जागतिक स्पर्धा में अव्वल होगा।

इस योजना के तहत राज्य सरकार के सहयोग से एक हजार एकड़ की जगह पर मेगा इण्टीग्रेटेड टेक्सटाइल पार्क का निर्माण किया जाएगा। इसमे कॉमन यूटिलिटीज भी मुहैया होगी। साथ में संशोधन और विकास पर ध्यान दिया जाएगा। वस्त्रोद्योग का नायलॉन धागा और सूत का कर 7.5 से 5 फीसदी तक कम करने की घोषणा भी अर्थ मंत्री निर्मला सीतारमण ने की है। वस्त्रोद्योग सबसे बड़ा रोजगार निर्माण करने वाला एक उद्योग होने के कारण अर्थव्यवस्था में बड़ा योगदान है। मानव निर्मित कपड़े का कच्चा माल को आसान किया जाने के लिए इसमें बदलाव किया है, ऐसा उन्होने कहा। असंगठित कामगारों को अलग अलग योजनाओं का लाभ देने के लिए एक पोर्टल की घोषणा भी की है। इसमें वस्त्रोद्योग का, विशेष तौर पर पावरलूम सायजिंग और प्रोसेसिंग उद्योग का कामगार असंगठित होने के कारण यह महत्त्वपूर्ण घोषणा है।

सांगली के पावरलूम 15 दिन बंद

सूत दर में चल रही तेजी-मंदी का वस्त्रोद्योग पर असर

कोल्हापुर/ राहुल खाड़े

पावरलूम व्यवसाय में बड़े पैमाने पर नुकसान हो रहा है। इसके चलते सांगली जिले की विटा तहसील के सभी पावरलूम 15 दिन बंद रखेंगे, ऐसी जानकारी विटा पावरलूम औद्योगिक सहकारी संघ के अध्यक्ष श्री किरण तारलेकरने दी। सूत (yarn) दर में हो रही तेजी-मंदी, साठेबाजी व कर चोरी के चलते होने वाला नुकसान को देखते हुए सांगली जिले विटे तहसील के पावरलूम कारखाने 15 दिन बंद रखने का फैसला लिया गया, जिससे अगले 15 दिन पावरलूम कारखानों की धड़धड़ रुकेगी। वायदा बाजार में कपास को शामिल किए जाने से चल रहा सट्टाबाजार, व्यापार में बड़ी कंपनीयों का आना, छोटे राष्ट्रों को आबकारी कर में दी गई छूट और बडे राष्ट्रों की ओर से होने वाले करचोरी के के मामले जैसी कई समस्याओं के कारण विक्रेंद्रित होने वाला पावरलूम लघु उद्योग कई सालों से आर्थिक संकट का सामना कर रहा है। इसके अलावा गए माह भर में सूत बाजार में हुई डेढ़ गुना दरवाढ़ और हर दिन कपड़े की दर कम होने से व्यवसाय बड़े संकट में फंसा हुआ है।

सूत दर (yarn) बढ़ने के कारण कम दर का सूत नहीं मिलना, सूत दरवाढ़ की तुलना में कापड़ दर में बढ़ोतरी नहीं होना, सूत के दाम गिरने के कारण रुका हुआ व्यापार, कम हो रहे दर और बढ़ते सूत के दाम के कारण पावरलूमधारक दोनों ओर से संकट में हैं। दिवाली के समय 32 काउण्ट सूत का दर 180 रुपए किलो था, तो कपास का दर स्थिर था। यकायक सूत दर में हर दिन 5-10 रुपए की बढ़ोतरी की जा रही थी। माहभर में यह दर डेढ़ गुना बढ़कर 270 रुपए तक हो गए लेकिन कपास के दर स्थिर थे। बढ़ते हुए दर की तुलना में कपास की बढ़ते दर में मांग नहीं थी, फिर भी हर दिन सूत के दर बढ़ते ही जा रहे हैं। इस बीच गए चार दिनों से बढ़े हुए दर कम हो रहे हैं। हर दिन पाँच-दस रुपए कम होने से संभ्रम होकर सूत और कपड़ा व्यापार ठप्प हुआ है।

इचलकरंजी में भी होगा असर...

इस बीच इचलकरंजी में मलमल उत्पादक और पोपलीन उत्पादकों ने भी अपने कारखाने बंद रखे हैं। ऐसे में यही माहौल रहा तो इचलकरंजी के सभी पावरलूम कारखाने बंद होंगे, ऐसा पावरलूम जागृति संगठन के श्री विनय महाजन ने बताया।

किसान आन्दोलन के कारण पानीपत हथकरघा उद्योग ठप्प

पानीपत/ अशोक शर्मा

कोरोना काल के बाद ऐसा अनुमान था कि पानीपत हथकरघा उद्योग फिर से उभरने वाला है। दीवाली के आसपास कंबल उद्योग में तेजी दिखाई दी थी, परन्तु ''चार दिन की चाँदनी फिर अंधेरी रात'' वाली कहावत चरितार्थ हो गई। पानीपत जहां एक ऐतिहासिक शहर है वहीं यह शहर कम्बल व हथकरघा उद्योग की सबसे बड़ी मण्डी कहलाता है। कोरोना काल की मार तो पूरी दुनिया के साथ थी और यहां के लोगों ने उस कुदरती आपदा को भी झेला, लेबर को भी संभाला, मगर घबराए नहीं मगर इस किसान आन्दोलन के कारण अब सारा उद्योग ही ठप्प हो गया है, क्योंकि पानीपत शहर राष्ट्रीय राजमार्ग पर है और भारत की राजधानी नई दिल्ली से 90 कि.मी. उत्तर की ओर है तथा किसान आन्दोलन प्रमुखता से इसी मार्ग पर है। ऐसे में इस शहर को आने वाले सभी प्रमुख रास्ते बन्द हैं। बाहर का व्यापारी वर्ग भयभीत है।

विशेषकर इस बार गणतंत्र दिवस पर लाल किले पर जो कुछ किसान आन्दोलन के नाम पर हुआ, उससे तो बाहर का व्यापारी बहुत ही भयभीत है। कोई भी व्यापारी इधर नहीं आ रहा। पानीपत हेण्डलूम की दुकानें तो खुली हैं, परन्तु ग्राहक नहीं हैं, कई व्यापारियों व उद्योगपतियों ने बताया कि कई दिनों से बोहनी तक नहीं हुई। जबकि उनके प्रतिष्ठानों के खर्चे बरकरार हैं। व्यापारियों में अब रोष पनप रहा है। व्यापारियों का कहना है कि हमने तो किसान भाईयों के हक में एक दिन पूरी मार्किट ही बन्द कर दी थी परन्तु अब इस आन्दोलन के कारण हमारे ही व्यापार का भट्ठा बैठ गया है। लोगों का कहना है कि सरकार इस आन्दोलन को शीघ्र से शीघ्र समाप्त करवाए, वरना व्यापारी भी तंग आकर सड़कों पर आने को मजबूर होंगे।

हैण्डलूम एसोसिएशन ने 2 जगह राष्ट्रीय ध्वज फहराया

वैसे तो इस बार पूरे शहर में हर संस्था ने अपने-अपने क्षेत्र में गणतंत्र दिवस धूमधाम से मनाया व अपने-अपने प्रतिष्ठानों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया, परन्तु पानीपत हेण्डलूम एसोसिएशन द्वारा 2 जगहों पर अलग-अलग राष्ट्रीय ध्वज का फहराना व्यापारियों में एवम् शहर में चर्चा का विषय बना हुआ है। उल्लेखनीय है कि विगत वर्ष से पानीपत हेण्डलूम एसोसिएशन में चुनाव को लेकर ग्रुप बाजी बन गई थी परन्तु जो पुराने उद्योगपति एवम् एसोसिएशन के पदाधिकारी रहे हैं वह इस गुटबाजी पर परदा डालते रहे क्योंकि पानीपत में यह सबसे बड़ी एसोसिएशन है, लेकिन इस बार गणतंत्र दिवस पर दो जगह ध्वज फहराने से गुटबाजी पूरी तरह सामने आई है। इसके अलावा कुछ व्यापारी ऐसे भी थे, जो किसी भी समारोह में शामिल नहीं हुए। अब लोगों की नजरें इसी एसोसिएशन पर लगी हैं कि कब यह एसोसिएशन अपने पुराने रूप में काम करेगी, क्योंकि इस एसोसिएशन की एकता के कारण व्यापारियों का हर काम आसानी से हो जाता था, लेकिन अब आपसी एकता न होने के कारण व्यापारी अपने कई संबंधित कार्यों से परेशान हो रहे हैं। क्या पानीपत के पुराने उद्योगपति इस एसोसिएशन को पुनः उसी रूप में ला पायेंगे?

अग्निकाण्ड से एक और शोरूम स्वाहा

पानीपत में जी.टी. रोड गोहाना चौक पर स्थित एक बड़े गारमेंट शोरूम सुविधा शोरूम पर सुबह सुबह भयानक आग लग गई। यह आग ग्राउण्ड फ्लोर से शुरू हुई और बहुत जल्द इसने शोरूम के तीनों फ्लोर को अपने चपेट में ले लिया। आग इतनी भयानक थी कि पूरा शोरूम जलकर राख हो गया। ज्ञातव्य है कि यह शोरूम पानीपत के सबसे बड़े गारमेंट शोरूम में से एक था और शहर के केन्द्र स्थान जी.टी .रोड पर स्थित था लेकिन कई फायर ब्रिगेड की गाड़ियों के द्वारा आग बुझाने की कोशिशों के बावजूद इसकी आग पर काबू नहीं पाया जा सका। आग बुझााने के क्रम में मेन जी.टी. रोड का ट्रेफिक रोक दिया गया था। उल्लेखनीय है कि पानीपत में पिछले तीन-चार माह से अग्नि काण्ड की कई भीषण घटनाएं घट चुकी हैं, जिसको देखकर भी कई लोगों में भय बना हुआ है। उनका कहना है कि यह कोई कुदरती मार तो नहीं?

यार्न रेट्स Yarn Rate+GST

5 फरवरी, 2021

G.I.S. COTTON MILLS LTD.

PH.329333, 93525-70138

32 PC	NA
2/30 PC TFO	NA
2/40 PC Dimond	NA
2/40 PC White Gold	NA
2/30 Black Poly	NA
1/18 Black Poly	NA

SUCHITA MARKETING PVT. LTD.

PH. 93525-36382, 94141-44161

2/30 Poly Grey	170 + GST
30 Poly Grey	155 + GST
2/30 Black	185 + GST
320 Text DMS	109 + GST

GRASIM INDUSTRIES LTD.

PH. 247324, 93521-45544

2/30 NTBL	215
2/40 Dyed	253
2/50 Dyed	305

RELIANCE CHEMOTEX LTD.

PH. 247711, 98290-45352

2/30 Solid	210
2/40 Solid TFO	250
25 Syro	-----
2/30 Frosted	209
2/30 Black	202
2/40 Black	235

ANAND SPINNERS

PH. 260780, 9829046961

2/32 Pvt HD Solid	NA
2/32 Pvt HD Frosted	NA
2/32 Pvt HD Grindle	NA
2/40 Pvt HD Solid	NA
2/40 Pvt HD Frosted	NA

HIND SYNTEX LTD.

PH. 247916, 94141-15916

2/15 Gray Blanded	172+GST
2/30 PV	200+GST
2/20 PV 65/35	NA
15S PV	160+GST
2/24 PV	190+GST
2/30 Polyester TFO	165+GST
2/20 Polyester TFO	NA

ARHAM SPINNING MILLS

NAHAR GROUP

PH. 230720, 9414114056

2/40 PC Combed TFO	250
2/40 P/C Elitwist	230
2/40 Cotton Elitwist	235
2/30 Cotton Corded TFO	205
2/36 Cotton Elitwist	-----
2/36 P/C	-----
Cotton Lycra 1/14	-----
Cotton Lycra 1/16	215
Cotton Lycra 1/12	205
2/30 PV Local TFO	196

VISAKA IND. LTD.

PH. 93514-27900, 96604-14405

2/30 100% Polyester Gray	150
2/30 65/35 Black	215
2/30 65/35 Gray	190
2/40 65/35 Black	250
2/30 PV 65/35 Havy Dark Dyed	230

Ratan Barjatiya Yarn Spinners P. Ltd.

PH. 94141413144

JAGDAMBA SPINNING MILLS

2/30 PV GREY	202
2/24 PV GREY	194
2/20 PV GREY	186
2/18 PV GREY	178
2/15 PV GREY	170
1/20 PV GREY	165
1/15 PV GREY	158
1/10 PV GREY	156
2/30 POLY GREY	170
2/24 POLY GREY	164
2/20 POLY GREY	158
2/15 POLY GREY	150
1/15 PLOY GREY	140
1/10 POLY GREY	136
1/8 POLY GREY	136

SIVANTA SPG.

2/40 PV GREY	235
2/30 PV GREY	198
1/40 PV GREY	158
2/30 POLY GREY	170
1/15 POLY GREY	138

ANKUR UDYOG

2/30 PV GREY	198
1/15 PV GREY	158
2/30 POLY GREY	170
1/15 POLY GREY	138

K.K. SPINTEX PVT. LTD.

2/60 PV GREY	320
2/50 PV GREY	280
2/40 PV GREY	240

(Rs. 6/- Extra for R.T. Yarn)

BANSWARA SYNTEX LTD.

PH. 247656, 94141-11656

1/20 SILKY	219
1/20 DYED LYCRA	315
1/20 DYED 65/35 HT	215
1/30 Dyeds Fancy	251
2/30 Dyeds NTBL Frosted	225
2/30 Airjet DYED 65/35	225
2/28 Dyed Lycra	310
2/40 Dyeds Non TBLMelange	263
2/40 PVT TBL Frosted Thrill	207
2/40 PVT Fancy Thrill	219
2/40 PVT Fancy Thrill 45/24	232
2/50 Dyeds Non TBL	320
Grey	
2/40 AIRJET DYED	249
2/38 LYCRA DYED	335
2/48 LYCRA DYED	353

Shri Raj. Texchem Ltd. Shri Raj. Syntex Rajasthan Polycot

PH. 74278-96688

1/15 PV Gray	155
2/15 Grey TFO	166
2/30 PV Grey	198
2/30 Poly	165
2/18 PV Grey	170
2/24 Poly Grey	190

C.T.M.

PH. 247511, 247512, 94141-12130

2/30 NTBL	233
2/18 Dyed	206
2/40 Dyed	273
2/50 Dyed	323
2/30 Frosted	221
2/30 Dyed Slub	-----
2/30 Polyster	-----
2/30 School Dress Clourer	-----

R.T.M

PH. 24766, 93140-32404

2/30 Dyed Ntbl	240
2/40 Dyed	268
2/30 Frosted	228
2/30 Cotton Carded	-----
30s Cotton Comded	-----
30s Cotton Comded Weaving	-----
30s Cotton Semi Combed	-----
24s Cotton Comded	-----

Birla Tex Mills

2/30 Cotton Carded	-----
30s Cotton Compact	-----
30s Cotton Com bed Weaving	-----
2/30 Cotton	-----
2/18 Dyed	192

Courtesy By Suresh Saraf, Mumbai

M 9322504449

150/0/ Grey Roto	099
150/350 Grey	112
150/108/350	114
80/72 Fulldull	98
480 Roto	091
640 Roto	092
150 Black DPD	097

SIYARAM SILK MILLS

Space Dyes Yarn	160
150/350 Dyed	160

Kishangarh Yarn Bazar

PH. 98297-21313

JAGDISHKOTHIWAL CON YARN (Per 5 K.G.)

16 Arihant Viscous	595
16 Vardhaman ND	-----
20 Patiyala Silver	835
20s Puja viscous	650
16s cottspin	590
20s Mahadev	830
23 JS Viscous	700
20 VISCOUS	645
20 PREMIER.	810
20 Gc Thread Warp	835
20 JS	645
23 Solan	700
23 G.C. Nala Gragh	865

GST Paid

NKCM GROUP

Mob: 093611-98787

Quality	RATE
30's VSf	232
40's VSf	260
2/40' s VSf	280
30 SLUB	240
30's HT	----
13' Cotton flax	----
20 Cotton flax	----

SIDDHESHWAR TEXTILES

PH. 94141-12223, 94130-57855

Polyester Silkon Yarn

Quality	RATE
150/2-310 Dyed	170.00
100/2-210 Dyed	190.00
150/2-310 White	155.00
150/2-310 Colour	
Pulus Bright	155.00
150/2-310 Catonic Bright	165.00

VISCOSE RAYON YARN

Quality	RATE
180/2 Viscose Rayon	385.0
150/2 Viscose Rayon	435.0
100/3 & 120/3 Viscose Rayon	435.0

Other Yarn

Quality	RATE
2/30 Viscose	
100% Grey	220.00
2/40 Acrylic	
100% Grey	335.00
2/30 Acrylic	
100% Golden	365.00
2/30 Acrylic	
100% Golden Pear	415.00
400 Dn. Metallic Yarn	
Gold/ Silver	350.00
225 Dn. Metallic Yarn	
Gold/ Silve	450.00
150/350 SD	
Grey Tex	132.00
150/350 SD	
Black Tex	-------
150/400 SD	
Black Tex	-------
200/96/300 SD	
Black Tex	-------
330 Dn Black	
Hores	-------
400 Dn Black	
Miracle	-------
400 Dn White Miracle	-------

SUDHA TEXTILE AGENCY

PH. 94142-62143

150/2 Bright Dyed 170+Vat

180/2 Rayon Dyed 365+Vat

150/2 Bright White 130+Vat

Raghav Group

M. 94141-11402, 93144-66747

Raghav Agency Trident Ltd.

1/10 OE	145
1/14 OE	160
1/16 OE	165
1/20 OE	182
30 KW	215
30 CW	242
2/40 CW ELLY	240
30 CW COMPACT	250
40 CW COMPACT	270
60 CW COMPACT	328
50 CW COMPACT	229

Ankur Udyoug

1/30 Polyester 100%	144+GST
1/20 Polyester 100%	139+GST
1/15 Polyester 100%	133+GST

Sidhartha Super Spinning Mills

2/15 P/V Dyed OG	180+GST
2/18 P/V Black	160+GST
2/30 P/V Black	190+GST

LNJ DENIM

6 OE	145
7 OE	146
8 OE	149
9 OE	-----
10 OE	152
10 Lycra	220
16 Lycra	230
10 Slub Lycra	230
16 Slub Lycra	-----

SRM SPINNERS LIMITED

2/30 P/V Black	-----
2/18 P/V Black	-----

MODTEX TEXTURISERS

PH. 246496, 98292-50430

150/400 Cone Dyed	162 +GST
2/30 Cone Dyed	190 +GST
150 HIM Cone Dyed	152 +GST
300 HIM Cone Dyed	151 +GST
150/400 Gray	125 +GST

GORAKHPUR YARN PRAHALAD RAI & CO.

PH. 99358-27000

MAHABIR

2/30 P/V	220
2/40 P/V	246
1/20 P/V	188
1/15 P/V	182

Janvi

15 Psy	148

ANKUR

2/30 Psy	184

TRIVENI

2/30 Black	190

Inclusive of 12 % GST

DHANTEX (INDIA) TEXVENTURES, MUMBAI - 9322234277

QUALITY	CONST.	WIDTH	WEAVE	RATE (Rs.)	SELVEDGE
70CPT X 70CPT	96X84	63"	PLAIN	53.00	JACQUARD
70CPT X 70CPT	124X86	63"	PLAIN	58.00	JACQUARD
70CPT X 70CPT	132X108	63"	PLAIN	70.00	JACQUARD
70CPT X 70CPT	165X104	63"	SATEEN	73.00	JACQUARD
70CPT X 90CPT	96X96	63"	PLAIN	61.00	JACQUARD
90CPT X 90CPT	96X84	63"	PLAIN	58.00	JACQUARD
90CPT X 90CPT	124X80	63"	PLAIN	66.00	JACQUARD
90CPT X 90CPT	124X100	63"	PLAIN	76.00	JACQUARD
90CPT X 90CPT	144X140	63"	PLAIN	98.00	JACQUARD
90CPT X 90CPT	144X100	63"	PLAIN	80.00	JACQUARD
90CPT X 90CPT	144X80	63"	PLAIN	70.00	JACQUARD
90CPT X 90CPT	165X104	63"	SATEEN	86.00	JACQUARD
90CPT X 100CPT	144X120	63"	PLAIN	87.00	JACQUARD
90CPT X 100CPT	132X112	63"	PLAIN	80.00	JACQUARD
60 COTTON SLUB X 60 COTTTON SLUB	92X80	63"	PLAIN	64.00	JACQUARD
60 COTTON SLUB X 60 COTTTON SLUB	92X88	63"	PLAIN	68.00	JACQUARD

VALSON INDUSTRIES LTD.

PH. 94141-12223, 94130-57855 (Exclusive of GST)

Dyed Yarn

Quality	LT/MD	DARK
150/0 Weft Dyed	217.00	207.50
150/0 Rotto Dyed	222.00	232.00
150/350 Cone Dyed	233.00	243.00
85/0 Rotto Dyed	231.00	241.00
85/300 Dyed	231.00	241.00
85 Royal Rotto Twist Dyed	249.00	259.00
80/72 Rotto Cotluk Dyed	256.00	266.00
80/34/600 Dyed Yarn	261.50	271.50
150/350 Bright Dyed	268.00	278.00

Grey Yarn

Denier	Net Rate
80/300 Grey Yarn	136.00
80 Royal Warp Rotto	138.00
80/72/2 Royal Warp Catonic	162.00
80/72/2 FD Cotlook HIM	164.00
80/2/72/300 FD Roto	191.00
80 Roto White Yarn	174.00
150/325 Twisted Grey	145.00
150/325 Dope Dyed Black	150.00
150/500 Dope Dyed Black	149.00
155/2/250 Twisted Grey	153.00

Fancy Yarn-

250 Galaxy	274.00
160 Tex Space Dyed Sober	229.00
160 Bright Space Dyed	229.00
2/45 Innova Dyed	234.00
170/350 Bright Space Dyed	215.00
170/350 Sundram	234.00

PANIPAT YARN

Mob: 9416031498

TEXTURISE

150 Roto Grey	110-120
150 Roto Black	115-120
150 Roto Bright	120-130
150 Roto Dyed	120-130
150/250 Roto Grey	125
150/250 Roto Dyed	149-160
150 Fdy	105

P.V. Yarn

2/30 Grey CL	170
2/40 POLY	180
2/15 Poly CL	125
2/20 Poly CL	133
20 Poly	119-134

Cotton Yarn

4 CONE	55-69
6 CONE	60-90
8 CONE	75-100
10 CONE	75-100
2/4 CONE	60-82
2/6 CONE	75-110
2/8 CONE	84-120
2/10 CONE	85-130
2/20 CONE	145-185
2/30 CONE	225
2/40 CONE	255

STAPLE YARN

10 CONE	198
15 CONE	200
20 CONE	205
2/15 CONE	208
2/40 CONE	259

NEETA YARNS

Ph. 022-28335766, 093246-70428 (M) 98210-82022

Fancy Yarn Per Kg

30/62 Alpine	220 + GST
2/60 PVT	230 + GST
2/60 Polyster	260 + GST
2/80 PC Combed	355+ GST
2/76 Polyster	260+ GST
2/60 P.V.	265+ GST

सिल्क इण्डिया पेश करने जा रहा है नया ट्रेडिशनल ब्राण्ड एथेनिक इण्डिया

मुम्बई/ सिल्क इण्डिया क्रिएटर द्वारा आगामी वैवाहिक सीजन की भरपूर तैयारियां शुरू कर दी गई है। कम्पनी अपने ट्रेडीशनल कुर्ता पजामे के लिए देशभर की सभी मण्डियों में विख्यात है। कम्पनी के डायरेक्टर श्री रमेश मखारीया ने बताया कि हमारे द्वारा आगामी वैवाहिक सीजन के लिए काफी नये डवलपमेण्ट पेश किए गए हैं। इसके साथ हमने अपने व्यापारियों को शॉप इन शॉप स्कीम भी दी है, जिससे व्यापारियों में काफी उत्साह बना हुआ है। हमारा सदैव एक ही उद्देश्य रहा है कि हम उपभोक्ताओं की चाहत पर खरा उतरें और इसके लिए हम भरपूर प्रयास करते हैं। आज हम डिजाइनिंग कुर्ता पजामे की विशाल रेंज बनाते हैं, जिसमें 100 से 120 कलर रेंज हर समय हमारे पास उपलब्ध रहती है। इसकी क्वालिटी, फिनिशिंग तथा स्टिचिंग में किसी भी ब्राण्ड का मुकाबला नहीं है। हमारे पास हर समय 700 से 800 डिजाइनों का रेडी स्टॉक रहता है, ताकि उपभोक्ताओं को अच्छी से अच्छी एवं बेहतर रेंज देखने को मिले। यह सभी प्रोडक्ट वैल्यू फॉर मनी है।

ethnic India

न्यू ब्राण्ड "एथेनिक इण्डिया" लॉञ्च करने की तैयारी

श्री मखारीया ने बताया कि मार्केट में एथेनिक वीयर की निरन्तर मांग को देखते हुए हम आने वाले सीजन में ट्रेडिशनल ''एथेनिक इण्डिया'' ब्राण्ड की लॉञ्चिग करने जा रहे हैं। ''एथेनिक इण्डिया'' आपके खास पलों को 'दिल से' यादगार बनाने के लिये ट्रेडिशनल कुरता व साड़ी की खूबसूरत रेंज उपलब्ध कराएगा। यदि आपके भाई की शादी हो तो अनारकली सूट से मैच करती हुई शेरवानी आपके उत्सव को यादगार बना देगी। इस प्रकार एथेनिक इण्डिया आपके पूरे परिवार के लिए सभी परम्परागत वस्त्रों की विस्तृत रेंज आपके खास पलों को यादगार बनाने में सहायक होगी।

जिसकी हर रेंज बनाएगी आपके पल यादगार "दिल से"

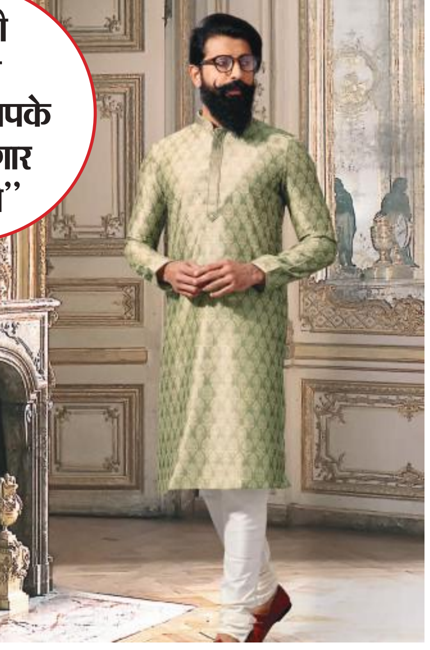

एसजीएस द्वारा कोलकाता, गोवा तथा मसूरी में भव्य मेगा कॉन्फ्रेंस

आगामी वैवाहिक सीजन के नये डवलपमेण्ट का होगा डिस्प्ले

मुम्बई/ फैंसी सूटिंग एवं अपेरल ब्राण्ड एसजीएस ने आगामी सीजन के लिए अलग-अलग स्थानों पर अपनी मेगा कॉन्फ्रेंस की तैयारियां जोरों से शुरू कर दी है। वर्ष 2021 के शुरूआत होते ही एसजीएस अपने उत्पादों का नया डवलपमेण्ट बाजार में डिमाण्ड के साथ सप्लाई कर रहा है। कम्पनी के ऑल ऑवर इण्डिया के सभी एजेण्ट डीलर एवं रिटेलर्स ने कम्पनी की मेगा कॉन्फ्रेंस में बढ़चढ़ कर हिस्सा लेने को अपनी तैयारियां कर ली है। कम्पनी के डायरेक्टर श्री किशोर राठी ने बताया कि कोरोना महामारी के बाद कम्पनी द्वारा यह पहली मेगा कॉन्फ्रेंस हो रही है, जिससे व्यापरियों में काफी उत्साह बना हुआ है। **कम्पनी द्वारा दो दिवसीय गेट टूगेदर कम फैब्रिक डिस्प्ले 7 व 8 फरवरी 2021 को कोलकाता के सोनार बंगला ताकी रिसोर्ट में आयोजित होगी, जहां पश्चिम बंगाल के एजेण्ट, रिटेलर एवं डीलर शामिल होंगे। साथ ही 19 से 25 फरवरी को गोवा में साउथ के व्यापारियों का समागम होगा, जिसमें आन्ध्रप्रदेश, तमिलनाडु, कर्नाटका एवं महाराष्ट्र के एजेण्ट, डीलर एवं रिटेलर शामिल होंगे। इसी कड़ी में 27 फरवरी से 6 मार्च को मसूरी में पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उत्तरप्रदेश तथा राजस्थान के व्यापारियों को बुलाया जा रहा है।** इन सभी कॉन्फ्रेंसों में कोरोना की गाईडलाइन का पूरा ख्याल रखा जाएगा। हर व्यापारी को इसकी सम्पूर्ण सुरक्षा दी जाएगी तथा उनके रहने, खाने तथा आवागमन की सम्पूर्ण देखरेख उच्चस्तरीय होगी।

भरोसे की परम्परा
SGS®
SUITING•SHIRTING

भव्य फैब्रिक डिस्प्ले

श्री राठी ने बताया कि कम्पनी द्वारा आगामी वैवाहिक सीजन तथा त्यौहारी सीजन को ध्यान में रखते हुए काफी नए डवलपमेण्ट पेश किए गये हैं, जिनकी भरपूर डिमाण्ड आ रही है। इन सभी कॉन्फ्रेंसों में कम्पनी द्वारा अपनी सभी लेटेस्ट डिजाइनों का डिस्प्ले किया जाएगा, जिनमें फैन्सी सूटिंग, जेकार्ड, टीआर फैब्रिक की विशाल रेंज शामिल होगी और यह व्यापारियों को आगे आने वाले सीजन के लिए काफी फायदेमंद रहेगी।

बाहरी मण्डियों से भरपूर ऑर्डर्स

लॉकडाउन खुलने के बाद कम्पनी की सम्पूर्ण मार्केटिंग टीम का कहना है कि लगभग 5 माह से निरन्तर मार्केट से अच्छी डिमाण्ड निकली है। हमें दीपावली से ही काफी ऑर्डर्स मिल रहे हैं। कोरोना महामारी के कारण कोई भी व्यापारी बाहर नहीं निकला, परन्तु हमारी मेगा कॉन्फ्रेंस की जानकारी मिलते ही व्यापारियों में बढ़चढ़ कर हिस्सा लेने की तैयारियां कर ली है। विदित रहे कि एसजीएस भरोसे की परम्परा पर कायम है। वह अपने हर व्यापारी को अपना परिवार मानकर उनकी आवभगत करती आई है।

सियाराम्स-मोजो ने लॉञ्च की टी-शर्ट्स की विशाल रेंज

कोलकाता में पांच दिवसीय भव्य फैशन-शो एवं बुकिंग कॉन्फ्रेंस

कोलकाता/ देश की अग्रणी कपड़ा निर्माता कंपनी सियाराम्स ने रेडीमेड सेक्टर में भी अपनी प्रसिद्धि के अनुरुप ही स्थान प्राप्त कर लिया है। केवल दो वर्ष पहले ही लांच किया गया कंपनी का अपेरल ब्रांड मोजो आज पूरे देश के रेडीमेड दुकानों की पहचान बन गया है। मोजो-सियाराम्स के बिहार राज्य के अधिकृत डीलर सरावगी सुपर सेल्स द्वारा आगामी सीजन को देखते हुए कंपनी के प्रोडक्ट्स की बुकिंग हेतु कोलकाता में पांच दिवसीय भव्य प्रदर्शनी का आयोजन किया। इस आयोजन में पूरे बिहार से लगभग 500 रेडीमेड विक्रेताओं ने भाग लिया एवं जमकर बुकिंग दी।

इस अवसर पर आयोजित प्रेस वार्ता में कंपनी के एचओडी श्री विकास मल्होत्रा, श्री बिजेन्द्र कुमार, डीलर श्री राजेश सरावगी एवं एजेण्ट श्री पीयुष बंका ने संयुक्त रुप से बताया कि सियाराम्स देश की अग्रणी कपड़ा निर्माता कंपनी है, विगत 30 वर्षों से हमारे ग्राहकों का विश्वास हमने अपने प्रोडक्ट्स से बनाए रखा है। आधुनिक फैशन के अनुरुप अपने प्रोडक्ट्स में सदा नयापन देते रहने के साथ-साथ उसकी गुणवत्ता बनाए रखना ही हमारा मुख्य लक्ष्य है। इसी संकल्प को विस्तार देते हुए हमने रेडीमेड सेक्टर में अपने ब्रांड मोजो को लांच किया था। इसमें हम रेडीमेड पसंद करने वाले अपने ग्राहकों को जीन्स, फॉर्मल शर्ट्स, केजुअल शट्र्स, पेंट्स की भरपूर रेंज उपलब्ध करा रहे हैं। हमें अपने ग्राहकों एवं विशाल रिटेल नेटवर्क का भरपूर स्नेह मिला और आज हम अपेरल के टॉप ब्रांड्स में शामिल हैं। ग्राहकों की अत्यधिक मांग को देखते हुए हमने अब टीशर्ट्स की विशाल रेंज को इस प्रदर्शनी में लांच किया है। इसकी रेंज ग्राहकों के लिए 299 रु से 649 रु तक है, जिनकी अनुमान से अधिक बुकिंग विक्रेताओं द्वारा मिल रही है। इस बुकिंग कॉन्फ्रेंस का शुभारम्भ 23 जनवरी को दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। 27 जनवरी तक चलने वाले इस समारोह में विक्रेताओं के उत्साहवर्द्धन के लिए कई आकर्षक ईनामों एवं उपहार बांटे गए। व्यापारियों के मनोरंजन के लिए कई इंतजाम भी किए गए।

इचलकरंजी में कामगारों की मजदूरी में बढ़ोतरी के लिए विधायक को ज्ञापन

कोल्हापुर/ राहुल खाड़े

इचलकरंजी के पावरलूम उद्योग से जुड़े कामगारों की मजूरी में बढ़ोतरी नहीं हुई तो कृती समिति करार से बाहर होगी, ऐसा बैठक में तय किया गया। इसके बारे में गुरुवार, 28 जनवरी को कामगार संगठन संयुक्त कृती समिति की बैठक हुई, जिसमें कहा गया कि पावरलूम कामगारों की बढ़ी हुई मजूरी जल्द से जल्द दे, साथ में जॉबर, कांडी वाली, दिवाण जी की मजूरी का भी जल्द से फैसला ले। इस मौके पर भरमा कांबले ने कहा कि, मालिकों ने आने वाले 15 दिनों में घोषित की मजूरी में बढ़ौतरी नहीं की, तो कामगार और कामगार संगठन मजूरी बढ़ोतरी के लिए किए करार से बाहर होगी। इसके बारे में एक ज्ञापन विधायक श्री प्रकाश आवाड़े को सौपा गया। इसके अलावा 12 फरवरी को इचलकरंजी में सहायक कामगार आयुक्त कार्यालय पर मोर्चा निकाला जाएगा, ऐसा भी फैसला किया गया। इस समय कृती समिति के नेता सर्व श्री शामराव कुलकर्णी, राजेंद्र निकम, हणमंत लोहार, धोंडिबा कुंभार, रियाज जमादार, शिवानंद पाटील, बंडा सातपुते, सुभाष कांबले, राहुल दवडते, सुनील बारवाडे, सदा मलाबादे, शिवाजी भोंसले के अलावा बड़ी संख्या में कामगार उपस्थित थे।

चीन में पोलिएस्टर फिलामेंट यार्न में 26 फीसदी की तेजी

फिलहाल मंदे की संभावना नहीं

नई दिल्ली/ मांग अधिक होने और लागत में वृद्धि के कारण गत दो महिनों में चीन में पोलिएस्टर फिलामेंट यार्न यानि पीएफवाई के भाव में लगभग 26 प्रतिशत की तेजी आ चुकी है तथा जल्दी ही किसी लम्बी गिरावट की संभावना नजर नहीं आ रही है। सूत्रों का कहना है कि चीन में नवम्बर से पीएफवाई 150डी/48 एफके भाव में तेजी आ रही है और लगभग 1,300 यूआन प्रति टन बढ़कर 6,300 यूआन प्रति टन हो गए हैं। नवम्बर में तेजी का कारण अधिक मांग के कारण आई, क्योंकि फैब्रिक निर्माताओं के पास अधिक ऑर्डर थे। इसके अतिरिक्त कच्चा माल महंगा होने से पीएफवाई की उत्पादन लागत में भी वृद्धि हुई थी। हालांकि उसके बाद फैब्रिक निर्माताओं के पास फैब्रिक के ऑर्डर कम थे, लेकिन लगातार बढ़ती लागत को देखते हुए आगामी दिनों में और तेजी की संभावना से वे स्टॉक करने के लिए खरीद कर रहे थे।

प्राप्त सूचना के अनुसार चीन में पीएफवाई का स्टॉक कम है, लेकिन मांग भी सीमित है। इससे भाव में अगर तेजी नहीं आती है, तो मंदे की संभावना भी नजर नहीं आ रही है। नव वर्ष के अवकाश के कारण भी यार्न की मांग कमजोर रहने का अनुमान है लेकिन फैब्रिक निर्माता ऊंचे भाव का रिस्क नहीं लेना चाहते हैं। व्यापारियों के अनुसार वार्षिक अवकाश के बाद मांग आने की आशा में यार्न निर्माता भाव करने के मूड में नहीं हैं। इनका कहना है कि कच्चे तेल के ऊंचे भाव के कारण उनकी उत्पादन लागत में कमी आने की कोई संभावना नजर नहीं आ रही है।

Postal Registration No BHILWARA/208/2021-2023 RNI Registration No. 71772/98

नए टेक्सटाइल पार्क भारतीय वस्त्र उद्योग के लिये वरदान

मुम्बई/ सरकार ने सोमवार को पेश बजट में देश में बड़े टेक्सटाइल पार्क बनाने की नीति की घोषणा की है। यह भारत को कपड़ा क्षेत्र में पूरी तरह से एकीकृत एवं वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी विनिर्माण एवं निर्यात केंद्र बनाने की सरकार की कोशिश का एक हिस्सा है। यह नीति विश्वस्तरीय बुनियादी संरचना तैयार कर कपड़ा उद्योग में बड़े निवेश आकर्षित करने तथा रोजगार के अवसरों का सृजन करने में मददगार होगी। इस योजना के तहत अगले तीन साल में सात बड़े टेक्सटाइल पार्क बनाए जाएंगे। इन पार्कों में एकीकृत सुविधाएं होगी तथा परिवहन में होने वाले नुकसान को न्यूनतम करने की व्यवस्था होगी। इसका उद्देश्य कपड़ा क्षेत्र में बड़ा निवेश लाना है। यह पीएलआई योजना के अतिरिक्त होगी। इससे ''प्लग एवं प्ले'' सुविधा अर्थात् आते ही काम शुरू करने की सुविधाओं से लेस ढाँचों के साथ वैश्विक बुनियादी संरचना होगी। यह निर्यात में वैश्विक स्तर पर अग्रणी कंपनियों का मार्ग प्रशस्त करेगी। प्लग एवं प्ले सुविधा से कंपनियों को पहले से ही तैयार बुनियादी संरचनाएं मिलेगी। इससे कंपनियों को बिना कोई पूर्व तैयारी सीधे परिचालन शुरू करने की सहूलियत मिल जाएगी। कपड़ा मंत्रालय ने हाल ही में कहा था कि वृहद एकीकृत कपड़ा क्षेत्र एवं परिधान पार्क तथा पर विचार चल रहा है। ये पार्क एक हजार एकड़ से अधिक के भूखंड पर होंगे, इनमें आधुनिक बुनियादी सुविधाओं के साथ शोध एवं विकास लेब भी होंगे। अभी तक ऐसे 59 पार्क को मंजूरी दी गई है, जिनमें से 22 तैयार हो चुके हैं। कपड़ा उद्योग ने सात विशाल टेक्सटाइल पार्क लगाए जाने के प्रस्ताव का स्वागत किया है और कहा कि इस कदम से गारमेण्ट उद्योग और निर्यात को अधिक फायदा होगा। पहली बार बजट में कच्चे कपास पर 10 प्रतिशत बेसिक कस्टम शुल्क लगाने से आयातित रुई महंगी होगी। इससे एक्स्ट्रा लांग स्टेपल रुई का आयात महंगा होगा। इजिप्त की गीजा कॉटन और यूएसए का सुप्रिमा कॉटन का आयात महंगा होगा। स्थानीय रुई के भाव बढ़ सकते हैं। इसके साथ ही रॉ सिल्क एवं सिल्क यार्न पर सेस लगाया गया है। कैप्रोलेक्टम, नायलोन चिप्स, नायलोन फाइबर और यार्न पर बेसिक कस्टम शुल्क घटाकर 5 प्रतिशत करने से एमएमएफक्षेत्र को और विशेषकर एमएसएमई इकाईयों को अधिक फायदा होगा। कॉटन टेक्सटाइल एक्सपोर्ट प्रमोशन कौंसिल के चेयरमेन श्री मनोज पटोदिया ने सात बड़े टेक्सटाइल पार्क स्थापित करने के प्रस्ताव पर कहा कि यह एक सकारात्मक कदम है। इससे उद्योग को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनने, बड़ा निवेश आकर्षित करने तथा रोजगार सृजन में मदद मिलेगी। सीएमएआई के अध्यक्ष राजेश मसंद ने कहा कि टेक्सटाइल पार्क बजट की विशेषता है। इससे कपड़ा उद्योग को प्रत्यक्ष लाभ होगा और देश में कपड़ा उद्योग के परिचालन का स्तर बढ़ेगा। भारत मर्चेंट चेम्बर के अध्यक्ष श्री विजय लोहिया ने कहा कि टेक्सटाइल पार्कों की स्थापना से भारतीय कपड़ा निर्यातकों को वियतनाम एवं बांग्लादेश जैसे देशों से अपनी वैश्विक प्रतिस्पर्धा क्षमता सुधारने में मदद मिलेगी।

पोली लायक्रा, यार्न डाईड शर्टिंग में प्रिंट डिजाइन तथा पोलिएस्टर मिक्स डेनिम की मांग

रमाशंकर पाण्डेय / मुंबई

कपड़ा बाजार में अच्छे कारोबार के दिन लौट रहे हैं। एक ओर लंबे समय से लोकल ट्रेन चलने का किया जा रहा इंतजार खत्म हो गया है। आम लोगों को निर्धारित अवधि ही सही, लोकल में यात्रा करने की अनुमति मिल गई है, इससे कपड़ा बाजार एवं उत्पादन इकाइयों में लोगों की पहुंच सरल एवं सुगम होगी। बाजार पूरी तरह से खुल जाएंगे। सूती ग्रे कपड़ों के भाव में थोड़ी गिरावट आई है। कॉटन यार्न के सटोरियों की नकेल वीवर्स ने कस दी है। यह गिरावट काफी नहीं माना जा रही है, परंतु समर सीजन की तैयारी में जुटे वीवर्स व व्यापारियों को इससे बड़ी राहत मिल सकती है। अब चिंता सिर्फ अब पोलिएस्टर यार्न के बढ़ रहे भाव को लेकर व्यक्त की जा रही है।

मई महीने में ईद है, इसकी पूछताछ भी बाजार में जल्द शुरू हो सकती है। इतना ही नहीं, अप्रैल अंत से वैवाहिक सीजन भी शुरू हो रही है, जिसमें सभी किस्म के कपड़ों में अच्छे कारोबार होने की संभावना है। भिवंडी सहित पावरलूम सेंटरों पर कपड़ों का उत्पादन जोर पकड़ रहा है। किसानों का चल रहा आंदोलन दिल्ली, पंजाब, हरियाणा और हिमांचल प्रदेश को जाने वाले माल के आवागमन में अवरोधक बना हुआ है। भले ही स्थानीय बाजारों में अभी कामकाज मंदा चल रहा है, लेकिन देसावरी मंडियों की पूछताछ एवं मांग निकलनी शुरू हो गई है, जो बाजार के रुख को नई दिशा दे सकती है। इसी महिने में नेशनल गार्मेट का फेयर भी है, जिसकी तैयारी में गारमेण्ट इकाईयां जुटी हुई है।

कपड़ों पर एक्साइज शुल्क नहीं होने से आमबजट से कपड़ा बाजार पर कोई फर्क नहीं पड़ा है। कपड़ों पर पाँच प्रतिशत जीएसटी लगती ही है। इस बार समर सीजन कम अवधि का होने की आशंका है, कारण कि अभी भी बहुत से राज्यों में ठंड पड़ रही है, जबकि इन दिनों में सीजनल कपड़ों की मांग निकलनी शुरू हो जाया करती थी। यद्यपि समर सीजन के लिए मांग निकल रही है। पोली लायक्रा की मांग भी अच्छी है। यार्न डाईड शर्टिंग में रोटरी प्रिंट डिजाइन की ओर रुख है। इसके अलावा काटन डॉबी 40, 50 और 60 में प्रोग्रामिंग अच्छी चल रही है। पोलिएस्टर मिक्स डेनिम में कारोबार ठीक है, लेकिन कॉटन डेनिम स्थिर है। पीसी डेनिम का भाव 92 रू से बढ़कर 95 से 97 रू हो गया है। ग्रे कपड़ों के भाव घटने के बाद जिन निर्यातकों ने आर्डर लेना बंद कर दिया था, अब वापस बाजार की ओर मुड़े हैं।

यदि ग्रे कपड़ों के भाव में 10 प्रतिशत की और गिरावट हो जाए तो निर्यात कामकाज सुधर सकता है। वैश्विक बाजारों में भारतीय कपड़ों की मांग धीरे-धीरे बढ़ रही है। आगे की सीजन को ध्यान में रखते हुए वीवर्स का जोर अब कॉटन, पीसी एवं पीवी जैसे कपड़ों के उत्पादन पर अधिक है। वैश्विक बाजारों में अपने कारोबार बढ़ाने का अच्छा अवसर है। चीन से वैश्विक बिरादरी का मोहभंग हो रहा है। उसे ऐसे मजबूत सप्लायर्स की जरूरत है, जिस पर भरोसा किया जा सके और बड़े स्टोर्स इस बात को समझ चुके हैं कि अब किसी एक सप्लायर पर निर्भर नहीं रहना है। कपड़ों के भाव में आई तेजी से पुराना स्टॉक बिक चुका है। आगे समर सीजन के साथ स्कूल यूनिफॉर्म की भी मांग रहने की संभावना है, जिसकी बड़े पैमाने पर तैयारी व्यापरियों ने की है। पोलिएस्टर कपड़ों के भाव घट सकते हैं, जिसमें अभी तेजी बनी हुई है। पावरलूम ग्रे सूती कपड़ों के भाव में आंशिक गिरावट आई है और कुछ चलनी किस्मों की लेवाली में जो ठहराव आ गया था, अब भाव घटने केबाद इनकी बिकी फिर से शुरू हो सकती है। इन किस्मों में सूती मलमल, सूती कैम्ब्रिक, रेयॉन की कुछ रनिंग वेराइटी, पीसी डेनिम और पीवी की चुनिंदा किस्में हैं, जिनमें कारोबार होता रहा है। देशभर में कोरोना के खिलाफचल रहे टीकाकरण अभियान से भी भरोसा बढ़ रहा है।

स्वत्वाधिकारी एसएसएस मीडिया पब्लिकेशन्स (प्रा.) लि. की तरफ से मुद्रक एवं प्रकाशक योगेन्द्र शर्मा के लिए वी.के. प्रिण्टर्स, बी-36, सुदर्शन पुरा, इण्डस्ट्रियल एरिया, 22 गोदाम, जयपुर (राजस्थान) से मुद्रित एवं सी-127, आर.के. कॉलोनी, भीलवाड़ा (राज.) से प्रकाशित। संपादक-योगेन्द्र शर्मा।